लखनऊ

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

सोमवार, 30 मार्च, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 216

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"रोज़ाना की छोटी-छोटी मेहनत ही एक दिन बड़ी सफलता बनकर सामने आती है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

## केरल की रैली में बोले मोदी- मिडिल ईस्ट संकट में राजनीतिक फायदा तलाश रही कांग्रेस, भाजपा से डरे हैं यूडीएफ-एलडीएफ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (29 मार्च) को केरल में कांग्रेस और वामपंथी गठबंधन को जमकर लताड़ लगायी। पीएम मोदी ने कहा कि मिडिल ईस्ट संकट में कांग्रेस पार्टी राजनीतिक फायदा तलाश रही है। दूसरी तरफ, केरल विधानसभा चुनाव 2026 में यूडीएफ और एलडीएफ भाजपा के उदय से डरे हुए हैं। उन्होंने पलक्कड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें यहां एक नई और अलग ऊर्जा महसूस हो रही है। पीएम मोदी ने लोगों से कहा कि इस बार केरल का माहौल बिल्कुल अलग है। बदलाव का संदेश दे रहा है। केरल में बदलाव जनता के आशीर्वाद, बीजेपी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों और उनके बलिदानों के कारण होगा। सभा में जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- अब केरल के युवा, महिलाएं और किसान बीजेपी और एनडीए के प्रति समर्थन में एकजुट हैं, केरल का मूड एक मोमेंट बन चुका है।

### पीएम मोदी ने यूडीएफ और एलडीएफ पर साधा निशाना

पलक्कड़ रैली में पीएम मोदी ने यूडीएफ और एलडीएफ पर हमला करते हुए दोनों पर दशकों तक भ्रष्टाचार करने और राजनीतिक अवसरवादिता में लिप्त होने का आरोप लगाया। चुनावी रैली में पीएम मोदी ने कहा- दशकों से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (UDF) ने मिलकर केरल को लूटा है। इस व्यवस्था में हमारा केरल फंसा रहा है।



### पीएम मोदी- मिडिल ईस्ट संकट में राजनीतिक फायदे तलाश रही कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि पश्चिम एशिया युद्ध का भारत पर कम से कम प्रभाव पड़े। उन्होंने कहा– युद्ध शुरू होने के बाद से मैं विश्व के नेताओं के संपर्क में रहा हूं। सभी देश संघर्ष क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। दूतावास लगातार काम करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। लेकिन, खाड़ी मुद्दे पर कांग्रेस की टिप्पणी खतरनाक है, जो राजनीतिक फायदे के लिए भारतीयों की जान खतरे में डाल रही है।

मोदी ने कहा- कांग्रेस और वामपंथी दल एक-दूसरे पर झूठे आरोप लगाते हैं। पीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपको दोनों से सावधान रहना चाहिए।

### यूडीएफ और एलडीएफ को पीएम मोदी ने बोला हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- दशकों से केरल स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा है। एक ओर LDF है, तो दूसरी ओर UDF। एक तरफ कम्युनिस्ट हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस। एक भ्रष्ट है, तो दूसरा महा भ्रष्ट। एक सांप्रदायिक है, तो दूसरा महा सांप्रदायिक। पीएम मोदी ने आगे कहा- LDF और UDF की सारी नीतियां सिर्फ वोटबैंक की राजनीति के लिए होती हैं। इन्हें केरल के विकास की कोई चिंता नहीं है। केरल में बनने वाली बीजेपी-NDA सरकार यहां तेज विकास करेगी, विकसित केरल बनाएगी। यह मोदी की गारंटी है।

### कांग्रेस के नेता पलक्कड़ की जनता के लिए खतरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस के नेता पलक्कड़ की जनता के लिए खतरा बन गए हैं। कल महिलाओं के शोषण के गंभीर आरोपों के कारण कांग्रेस को उन्हें पार्टी से निष्कासित करना पड़ा। इस वजह से महिलाओं को सतर्क रहना चाहिए।

### टीम बीजेपी और टीम एनडीए केरल में बनायेगी सरकार- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने चुनावी रैली में दावा किया कि केरल अब बदलाव का संदेश भेज रहा है, जिसमें युवाओं, महिलाओं और किसानों के बीच बीजेपी के लिए समर्थन बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बीजेपी के नेतृत्व वाला गठबंधन केरल में अगली सरकार बनायेगा। पीएम मोदी ने कहा- केरल में टीम बीजेपी और टीम एनडीए मिलकर सरकार बनायेंगे।

### डरे हुए हैं यूडीएफ और एलडीएफ- पीएम

रैली में पीएम मोदी ने एलडीएफ सरकार पर केंद्र के पैसे के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- यह पैसा आपका था, लेकिन उन्होंने इसे लूट लिया है। पीएम मोदी ने यह चेतावनी भी दी कि दोनों मोर्चे बीजेपी के उदय से भयभीत हैं। उन्हें डर है कि बीजेपी के आने से उनके गलत काम उजागर हो जाएंगे। विकास का वादा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार लूटे गए धन को वापस लाएगी और केरल में विकास को नई गति देगी।

### जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं, प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से अपील

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से भारत के सामने आई चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जागरुक रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिलकर कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के 132वें एपिसोड में देशवासियों से अपील करते हुए कहा, ्रवो जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं। सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं।्र उन्होंने कहा, ्रमुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।्र प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मार्च का महीना वैश्विक स्तर पर बहुत ही हलचल भरा रहा है। हम सबको याद है कि पूरा विश्व भूतकाल में कोविड के कारण एक लंबे समय तक अनेक समस्याओं से गुजरा था। हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी, लेकिन, दुनिया के अलग–अलग क्षेत्रों में लगातार युद्ध और संघर्ष की परिस्थितियां बनती चली गईं। पीएम मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में भारतीयों की मदद के लिए खाड़ी देशों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे–संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

## दिल्ली में एमसीडी नियम बदले, अब जेल नहीं पर गंदगी फैलाने से कुत्ता घुमाने तक लगेगा भारी जुर्माना



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली नगर निगम के पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के अनुसार प्रासंगिक बनाना है।

नए विधेयक के तहत, यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपये के बजाय 1,000 रुपये जुर्माना देना होगा। इसी तरह, सड़कों पर मवेशियों (गायों या भैंसों) को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव है।

### गंदगी फैलाने पर सख्ती

सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए अधिकतम 50 रुपये का जुर्माना था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपये का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपये देने होंगे।

### अन्य महत्वपूर्ण बदलाव

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 रुपये की जगह पर अब 500 रुपये देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपये होगा। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपये किया गया है।

### जेल की सजा खत्म, अब लगेगा जुर्माना

विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम (धारा 387) के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस 'अपराध' की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान रखा गया है।

## संक्षेप

### पाकिस्तान से आईएसआई की साजिश : ड्रग्स और हथियारों के बाद अब भारत भेजे जा रहे नकली नोट; एजेंसियां अलर्ट

अमृतसर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा भेजी गई करीब ढाई लाख रुपये की जाली करंसी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। यह मामला अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2016 की नोटबंदी के बाद पहली बार इस तरह बड़े स्तर पर नकली भारतीय करंसी भारत में गिराए जाने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले आईएसआई की ओर से भारत में हेरोइन और हथियारों की तस्करी की घटनाएं सामने आती रही हैं। खुफिया सूत्रों का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के मकसद से पाकिस्तान सीमावर्ती इलाकों में बड़ी मात्रा में नकली भारतीय नोट छापने की तैयारी कर रहा है, ताकि इन्हें असली नोटों के साथ बाजार में चलाया जा सके। इस गंभीर मामले को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेज दी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी आईईडी, आरडीएक्स, ग्रेनेड, रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी), पिस्तौल, कारतूस और हेरोइन की बड़ी खेप पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में भेजी जा चुकी है। बीएसएफ ने वीरवार रात घरिंडा क्षेत्र के पास से यह जाली करंसी बरामद की, जिसके बाद इलाके में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी गई है।

### लवे परिसरों की सुरक्षा में 'डॉग स्क्वॉड' की बढ़ी भूमिका, लखनऊ मंडल में 9 प्रशिक्षित श्वान तैनात

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में यात्रियों की सुरक्षा तथा रेलवे परिसरों की निगरानी को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'डॉग स्क्वॉड' की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अरून त्रिपाठी के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा प्रशिक्षित श्वानों की सहायता से सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। लखनऊ मंडल के रेलवे सुरक्षा बल में वर्तमान में कुल 09 प्रशिक्षित डॉग्स तैनात हैं, जिनमें 03 ट्रैकर डॉग्स, 05 स्निफर (विस्फोटक सर्च) डॉग्स तथा 01 स्निफर नारकोटिक्स डॉग शामिल हैं। ये श्वान रेलवे परिसरों, ट्रेनों और संवेदनशील स्थलों पर नियमित जांच अभियान चलाकर संदिग्ध वस्तुओं की पहचान करने और संभावित खतरों को समय रहते निष्प्रभावी करने में अहम योगदान दे रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल के श्वानों के साथ उनके हैंडलर्स को ट्रेन में यात्रा के लिए प्रथम श्रेणी पास तथा एसी प्रथम कूपे में यात्रा की विशेष सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में उन्हें त्वरित रूप से विभिन्न स्थानों पर भेजा जा सके। इन प्रशिक्षित श्वानों की सेवा अवधि सामान्यत: 10 वर्ष निर्धारित होती है, जिसके दौरान उन्हें विशेष प्रशिक्षण, देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। रेलवे प्रशासन का मानना है कि डॉग स्क्वॉड की सतर्कता और दक्षता के कारण रेलवे परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है।

## मैं मौत के मुंह से लौटी हूं, अमित शाह के आरोपों पर बोलीं ममता बनर्जी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। दरअसल, अमित शाह ने एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'राजनीतिक आरोपपत्र' जारी करते हुए ममता बनर्जी पर विक्टिम कार्ड खेलने का आरोप लगाया था। शाह ने कहा था कि चुनाव के समय ममता कभी अपनी चोट तो कभी चुनाव आयोग को मुद्दा बनाकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश करती हैं।

पुरुलिया जिले के मानबाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने अमित शाह को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा, 'जो लोग कह रहे हैं कि मैं चुनाव के दौरान पट्टी बांधकर घूमती हूं, वे जाकर मेरी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट देख लें। मैं बार-बार मौत के मुंह से वापस लौटी हूं।' उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या 2021 के चुनाव के दौरान उन्हें जानबूझकर चोट पहुंचाई गई थी और क्या अब उन्हें जान से मारने की कोई योजना बनाई जा रही है? अमित शाह द्वारा टीएमसी सरकार के खिलाफ जारी किए गए आरोपपत्र पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खुद शाह के खिलाफ उनके पुराने कृत्यों के लिए चार्जशीट दाखिल होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता केवल राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनकी सरकार ने बंगाल के विकास के लिए निरंतर काम किया है।




ममता बनर्जी ने राज्य की महिलाओं को सचेत करते हुए कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह 'लक्ष्मी भंडार' जैसी लोकप्रिय योजनाओं को बंद कर देगी।

## महिलाओं को देंगे ₹40000, झूठे मुकदमे लेंगे वापस... अखिलेश यादव का बड़ा वादा

आर्यावर्त क्रांति

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और आश्वासन दिया कि यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो जिन लोगों पर झूठे मुकदमे लगे हैं, वो सब वापस लिए जाएंगे। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा, और सम्मान समृद्धि योजना से माताओं और बहनों को 40,000 रुपए दिए जाएंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा वाले डॉयलॉग बोलते हैं कि उत्तर प्रदेश में एक भी माफिया नहीं है तो वो कहते हैं कि एक ही माफिया है। सरकार बनने के बाद खुद के और अपनों के केस वापस लिए, इसलिए 9 साल का हिसाब नहीं है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इसलिए आधे अधूरे एयरपोर्ट का उद्घाटन करके गए। उन्होंने कहा कि उद्घाटन ऐसे ही करते हैं, जहाज कब उड़ेगा नहीं पता। एयरपोर्ट को NOC दिलाने का काम हमने किया। अभी तो एक ही फेज बना है। आगे भी बनेंगे।



अखिलेश यादव ने किसानों को मुआवजे को लेकर BJP सरकार की आलोचना करते हुए कहा, उन्होंने जमीन भले ही ले ली हो, लेकिन आपको मार्केट रेट पर मुआवज़ा नहीं दिया गया। मैं अपने किसान भाइयों से कहना चाहता हूं कि जब भी समाजवादी सरकार बनेगी, अगर विकास के काम के लिए जमीन ली जाती है, तो हम यह पक्का करेंगे कि किसानों को मार्केट रेट पर मुआवजा मिले।

### हमारी सरकार बनेगी तो कोई भेदभाव नहीं होगा

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनेगी तो कोई भेदभाव नहीं होगा। बाजार पर मुआवजा देंगे। 64% का मुआवजा और 4% प्लॉट देंगे। एटीएम के आरोप पर अखिलेश यादव ने कहा कि ये क्विज में मीडिया पर ही छोड़ता हूं। ATM की तिगड़ी से देश बचाओ। पीएम मोदी के नोएडा ना आने के हमले पर अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सबसे विकास नोएडा में ही किया। कोई अंधविश्वास नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इस बार उम्मीद से ज्यादा सपा और इंडिया गठबंधन जीतने जा रहा है।

## 10 साल बाद फिर गूंजा ऊना कांड: राहुल गांधी ने कोड़े मारने का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेरा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी गांधी ने ऊना में कोड़े मारने की 2016 की घटना के पीड़ितों के प्रति एकजुटता जताई। उन्होंने संकल्प लिया कि वह न्याय मिलने तक उनकी आवाज उठाते रहेंगे। राहुल गांधी ने गुजरात के दलित एवं आदिवासी समुदायों के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। जिसमें ऊना कांड के पीड़ित भी शामिल थे। वीडियो साझा करते हुए राहुल ने लिखा, यह मुलाकात बेहद पीड़ादायक और चिंतनशील रही।

गुजरात में कोड़े मारने की घटना 11 जुलाई 2016 को गिर सोमनाथ जिले के ऊना कस्बे के निकट मोटा समधियाला गांव में हुई थी। जब चार दलित युवक अपने पारंपरिक पेशे के तहत उस गाय की खाल उतार रहे थे, जिसकी कुछ समय पहले किसी दूसरे गांव में मौत हो गई थी। गोरक्षक बताने वाले आरोपियों ने इन युवकों को कोड़े मारे। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर अवैध रूप से हवालात में डाल दिया गया। पुलिसकर्मियों ने भी उनकी पिटाई की।



### ऊना कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा- करीब 10 साल पहले ऊना कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। कुछ दलित युवाओं को सरेआम निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा गया। उस समय मैं उनके परिवारों के साथ खड़ा था। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक दशक बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला, न उनके घाव भरे हैं, उल्टा हालात और बदतर हो गए हैं। आज जब मैंने प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनीं तो यह स्पष्ट हुआ कि हालात सुधरने के बजाय और भी भयावह हो गए हैं। एक व्यक्ति को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उसके शरीर में 19 फ्रैक्चर हो गए। एक अन्य व्यक्ति का भाई सिर्फ एक सनक में जिंदा जला दिया गया। ये घटनाएं केवल अपराध नहीं बल्कि भय और अन्याय से भरे माहौल की सच्चाई हैं।

### आवाज उठाने वालों को दबा दिया जाता है: राहुल गांधी

गांधी ने कहा, सबसे चिंताजनक बात यह है कि जो लोग अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, उन्हें दबा दिया जाता है। कभी धमकियों से, तो कभी हिंसा से और कई बार हत्या करके। गुजरात में बीजेपी सरकार के तहत दलितों और आदिवासी समुदायों के खिलाफ नफरत, भेदभाव और अत्याचार का वातावरण लगातार गहराता जा रहा है। ऊना के पीड़ित आज भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

## दिल्ली में बहुमंजिला इमारत में भड़की भीषण आग, खौफ में आकर मासूम समेत 4 लोगों ने लगाई छलांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक बहुमंजिला घर में आग लग गई। कुछ मिनटों में आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि डर के मारे चार लोगों ने नीचे छलांग लगा दी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मौके पर पहुंची टीम ने अन्य चार लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 2:30 बजे उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में चंद बाग स्थित एफ ब्लॉक, गली नंबर 23 के एक घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि उसे काबू करने के लिए मौके पर 11 गाड़ियां और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी तुरंत पहुंच गए। आग की वजह से घर के लोग फंस गए थे और ऊपर की मंजिलों में धुआं फैल गया था। घर में पार्किंग एरिया में दो स्कूटर और एक मोटरसाइकिल भी आग की चपेट में आ गए थे, जिससे धुआं और भी ऊपर की मंजिलों तक फैल गया।

इस दौरान कुछ लोग बहुत घबराए हुए थे। फायर यूनिट्स के पहुंचने से पहले ही चार लोगों निकहत (22), राशिदा (50), सोनी (25) और अशिफ (2) ने पहली मंजिल से छलांग मार दी। तुरंत उन्हें जगप्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, डीएफएस के जवानों ने दूसरे, तीसरे और चौथे मंजिल से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी घायल लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां से कुछ लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया जबकि बाकी लोगों का इलाज जारी है।

# टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ 4 अप्रैल को दिल्ली में हुंकार भरेंगें शिक्षक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के निर्देशन में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में चल रहे देशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन ने अब निर्णायक मोड़ ले लिया है। इसी क्रम में 4 अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित विशाल एवं ऐतिहासिक धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए स्थानीय तिकोनिया पार्क में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने की। प्रदेश नेतृत्व द्वारा इस समीक्षा बैठक के लिए अम्बेडकर नगर के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा को प्रभारी नियुक्त किया गया था। जिला प्रवक्ता निजाम खान ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में ब्लॉक अध्यक्षों, मंत्रियों, ब्लॉक एवं जनपदीय कार्यसमिति के पदाधिकारियों तथा तहसील प्रभारियों की सक्रिय उपस्थिति रही। समीक्षा प्रभारी बृजेश मिश्रा ने ब्लॉकवार दिल्ली धरना-प्रदर्शन में शामिल होने वाले शिक्षकों की सूची, वाहनों की व्यवस्था, रूट चार्ट सहित विभिन्न बिंदुओं पर गहन समीक्षा की। उन्होंने शिक्षकों में जोश और उत्साह भरते हुए आंदोलन की सफलता के लिए ठोस रणनीति साझा की। बैठक में विभिन्न ब्लॉक अध्यक्षों एवं मंत्रियों ने भी अपने विचार रखे और एकजुटता का संदेश दिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष एवं अयोध्या मांडलिक मंत्री दिलीप पाण्डेय ने भावुक शब्दों में कहा कि टीईटी अनिवार्यता का मुद्दा माननीय उच्चतम न्यायालय के 1 सितंबर 2025 के निर्णय के बाद देशभर के लगभग दस लाख कार्यरत शिक्षक परिवारों के सामने सेवा सुरक्षा और भविष्य को लेकर गहरी अनिश्चितता पैदा कर चुका है। उन्होंने इसे केवल एक नियम नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के जीवन और सम्मान से जुड़ा प्रश्न बताया।

## ज्ञानदीप अभियान के 22वें सप्ताह में बच्चों को दी गई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

**सुल्तानपुर।** घर सुल्तानपुर फाउंडेशन द्वारा संचालित ज्ञानदीप अभियान के अंतर्गत 22वें सप्ताह का शैक्षिक सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों को गणित (मापन), विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों का अध्ययन कराया गया।कार्यक्रम के दौरान केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसके तहत विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिससे बच्चों की प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर नितिन मिश्रा, मधुरम पाठक, विनायक मिश्रा, सचिन सिंह एवं सिद्धार्थ सिंह उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को क्रिकेट खिलाया गया, जिससे उनके शारीरिक विकास के साथ-साथ टीम भावना को भी प्रोत्साहन मिला।

## छेड़खानी के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, कई पुलिसकर्मी घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** धम्मौर थाना क्षेत्र में छेड़खानी के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपी व उसके परिजनों ने हमला कर दिया। मारपीट में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि एक सिपाही की वर्दी फाड़ दी गई और मोबाइल भी छीन लिया गया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीओ सिटी सौरभ सामंत ने बताया कि 28 मार्च को धम्मौर थाना क्षेत्र की एक युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अंकित यादव नामक युवक उसके साथ लगातार छेड़खानी कर रहा है और उसे भगा ले जाने का प्रयास कर रहा है। शिकायत के आधार पर पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची थी। पुलिस टीम जैसे ही आरोपी को हिरासत में लेने लगी, आरोपी, उसके परिजनों और घर की महिलाओं ने पुलिस टीम के साथ अभद्रता शुरू कर दी और देखते ही देखते हाथापाई व मारपीट करने लगे। इस दौरान सिपाही संजय यादव की वर्दी फाड़ दी गई और उनका मोबाइल छीन लिया गया, जिसे बाद में वापस कर दिया गया। सिपाही अंकुश चैधरी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। धम्मौर थाना प्रभारी रजत पांडेय ने बताया कि उप निरीक्षक राजकुमार यादव की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में आठ नामजद और चार-पांच अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

## गोमती मित्रों के पूरे हुए अरमान, किया विधायक का सम्मान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** तेरह वर्षों का लंबा समय, हर दरवाजे पर दस्तक, पत्रों की एक लंबी श्रृंखला लेकिन जीवटता के धनी गोमती मित्रों ने हार नहीं मानी और अपना प्रयास निरंतर जारी रखा, लेकिन कहते हैं नियति सब कुछ तय रखती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सुल्तानपुर से विनोद सिंह विधायक निर्वाचित हुए तो एक बार फिर गोमती मित्रों की उम्मीद की सुई उनकी तरफ घूम गई और उनसे सीता कुंड धाम के विकास के लिए निवेदन किया गया, उन्होंने गोमती मित्रों के निवेदन और प्रयास की गंभीरता को समझते हुए शासन को सीताकुंड धाम के विकास और गोमती कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव भेजते हुये मुख्यमंत्री से लगातार मिलकर प्रयास करके एक अच्छी खासी राशि लगभग 5 करोड रुपए स्वीकृत कराया।

रविवार को सभी गोमती मित्र संरक्षक रतन कसौधन, प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, महिला मंडल प्रदेश अध्यक्ष शालिनी कसौधन के नेतृत्व में विधायक के आवास पहुंचकर उनका पुष्पगुच्छ देकर व माल्यार्पण कर सम्मान करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया। मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, अजय प्रताप सिंह, सेनजीत कसौधन, मुन्ना सोनी, राकेश सिंह दद्दू, दिनकर सिंह, आलोक तिवारी, सौरभ गुप्ता, रामू कसौधन, राजीव कसौधन, आयुष सोनी आदि मौजूद रहे।

## डीएम ने कहा जिन विभागों की रैंकिंग संतोषजनक नहीं है उन्हें अगले माह में सुधार लाने के निर्देश अन्यथा होगी कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**गोण्डा।** जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सीएम डैशबोर्ड से संबंधित जिले में चल रही विकास कार्यक्रमों के योजनाओं के रैंकिंग की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की।

उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एनआरएलएम विभाग, जल निगम विभाग, फैमिली आईडी, पंचायत विभाग, विद्युत विभाग, पर्यटन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, समाज कल्याण विभाग, प्रोवेशन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, सिंचाई विभाग आदि विभागों की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों से सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रहे विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि शतप्रतिशत कार्य करते हुए फीडिंग कराकर रैंकिंग में सुधार लायें।

समीक्षा बैठक के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों/ योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा है कि निरंतर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहें और अपने विभागों के योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें। कहा कि संबंधित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें। मुख्यमंत्री सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान फैमिली आईडी की प्रगति खराब होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को विशेष ध्यान देकर रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।

## श्रम विभाग का विशेष अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** जनपद में असंगठित एवं निर्माण श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा व्यापक जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी कुमार हर्ष के निर्देश तथा मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में श्रम विभाग की टीम गांव-गांव एवं ब्लॉक स्तर पर पहुंचकर श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दे रही है।

अभियान के तहत ग्राम प्रधानों, सचिवों एवं रोजगार सेवकों के साथ सीधे संवाद कर मनरेगा से जुड़े मजदूरों सहित अन्य असंगठित श्रमिकों का श्रम विभाग में पंजीकरण कराया जा रहा है, ताकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता योजनाओं का लाभ मिल सके। श्रम विभाग के अधिकारी मधुबन राम ने बताया कि जनपद के विभिन्न विकासखंडों में प्रतिदिन विशेष कैंप लगाकर श्रमिकों का ऑन-स्पॉट पंजीकरण किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि सभी पात्र श्रमिकों को श्रम विभाग से जोड़कर उन्हें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। पीपी कमैचा विकासखंड में आयोजित बैठक में लेबर कमिश्नर मधुबन राम एवं ग्राम्य विकास परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह के सहयोग से ग्राम सचिवों, रोजगार सेवकों एवं मनरेगा एपीओ को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र के सभी जॉब कार्ड धारकों का श्रम विभाग में पंजीकरण सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में खंड विकास अधिकारी निशा तिवारी सहित ब्लॉक के कर्मचारी मौजूद रहे।

## घर में टाड़ के हुक से लटका मिला युवती का शव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**गोंडा।** जिले के थाना परसपुर क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कुड़ियाव में शनिवार की सुबह संदिग्ध हालात में (18) वर्षीय रोशनी सिंह का शव घर में दुपट्टे के सहारे टाड़ के हुक से लटकता मिला। घर में टाड़ के जिस चुल्ले से फांसी लगाने की बात सामने आ रही है, वहां खड़ा होने सिर से महज चार से छह इंच का फासला है। घटना की सूचना के बाद व्यस्तता के चलते थानाध्यक्ष ने घटना स्थल पहुंचना मुनासिब नहीं समझा। थाने की पुलिस के साथ जिले की फोरेंसिक टीम घटना स्थल पहुंच लोगों से पूछताछ कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने परिजनों के मौजूदगी में पंचायत नामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आखिर युवती ने यह कदम क्यों उठाया, यह अभी पहेली बना हुआ है। घर में आधी रात के बाद भोर में बेटी के उठने पर मां ने उसे टोका फिर वह सो गई। सुबह बगल के कमरे में उसका शव लटकता मिला। मां कमलेश के मुताबिक शुक्रवार देर रात सब ठीक-ठाक रहा। शुक्रवार को भोजन के बाद वह सो गई। अगले वर्ष उसकी शादी होनी थी। पड़ोसियों ने बताया बीमारी से पिता विजय बहादुर सिंह की तकरीबन पांच साल पहले मौत हो चुकी है।

तीन बहनों में विवाहित बड़ी बहन माधुरी सिंह अपने ससुराल बहराइच में है। स्वर्गीय विजय बहादुर सिंह की बेटियों के सिवा कोई पुत्र नही था। पिता के मौत के बाद घर पर मां कमलेश सिंह के साथ रोशनी सिंह व (12) सौम्या सिंह घर और खेती के सारे काम में हाथ बंटाती थी। गृहस्थी और खेती बाड़ी का सारा बोझ पत्नी कमलेश सिंह के कंधों पर था। रोशनी की मौत के बाद घर पर कोहराम मचा है। घर में बची मां और बेटी रो रोकर बदहवास सी है। थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया पुलिस हर पहलुओं पर जांच कर रही है।

## सरस्वती विद्या मन्दिर में परीक्षाफल वितरण समारोह सम्पन्न

### बहन आराध्या मिश्रा और स्वीकृति गुप्ता 99.6% अंकों के साथ बनीं टापर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** सरस्वती विद्या मन्दिर में पढ़ने वाले छात्र अपनी बात की शुरुआत भारत माता से करते हैं। उक्त बातें सुलतानपुर नगर के विधायक विनोद कुमार सिंह ने सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानंद नगर सुल्तानपुर के परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम में कही। छात्रों एवं अभिभावकों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्या मन्दिर के छात्रों की सोच बड़े-बड़े शहरों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सोच से कहीं अधिक बेहतर है। शहर के विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र भारत माता की बात नहीं करते हैं, जबकि विद्या मन्दिर के छात्र भारत माता से ही अपनी बात की शुरुआत करते हैं। भारतीय संस्कृति को सहेजने में सरस्वती विद्या मन्दिर का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां के छात्रों का अनुशासन और संस्कार अनुकरणीय है। जो इस विद्यालय की सशक्त नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का परिचय कराते हुए प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने वार्षिक परीक्षाफल का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारे भैया बहनों ने वार्षिक परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वार्षिक परीक्षा में कुल 2499 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिनमें से 98.8þ परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए। 293 छात्रों ने 90 प्रतिशत से भी अधिक अंक प्राप्त किए। बहन आराध्या मिश्रा तथा स्वीकृति गुप्ता 99.6 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय की टापर बनीं।कक्षा 9 के भैया दिव्यांशु पाण्डेय ने 99þ और कक्षा 11 के आशुतोष सिंह ने भी 96.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सर्दी ,गर्मी, वर्षा और तूफान की चिंता न करके विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थित रहने वाले भैया अंशुल तिवारी, ध्रुव मिश्र, आयुष्मान शुक्ल, आरव मौर्य, प्रतीक वर्मा, यशांक, बहन प्रेरणा यदुवंशी, यज्ञांशी पाण्डेय, श्रीश, आर्या यादव,किंशुकी त्रिपाठी, अमृता और पीहू मिश्रा को भी मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

## मुंह में ठूंसा कपड़ा, सिर पर हथौड़ा से किए वार... जालौन में युवक की बेरहमी से हत्या, प्रेमिका सहित चार अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

**जालौन।** उत्तर प्रदेश के जालौन जिले की कैलिया थाना पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए दो महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस वारदात ने रिश्तों की आड़ में पनप रहे अवैध संबंधों की खौफनाक सच्चाई को उजागर कर दिया है, जहां एक युवक की बेरहमी से हत्या कर उसके शव को जलाकर पहचान मिटाने की कोशिश की गई थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने कई हैरान करने वाले खुलासे किए हैं। जानकारी के अनुसार, 24 मार्च की रात कैलिया थाना क्षेत्र के ब्योना रोड पर एक अज्ञात युवक का अधजला शव बरामद हुआ था। शव की हालत इतनी खराब थी कि पहचान करना मुश्किल हो रहा था। जांच के दौरान शव की शिनाख्त 24 वर्षीय अमित नरवरिया, निवासी ग्राम उमरी का पुरा थाना रेंढर के रूप में हुई। इसके बाद 26 मार्च को मृतक के पिता गिरजाशंकर ने थाना कैलिया में तहरीर देकर हत्या और पहचान छिपाने के प्रयास का आरोप लगाया।

पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ के नेतृत्व में कैलिया थाना, सर्विलांस और एसओजी टीमों के साथ संयुक्त टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों कुलदीप दोहरे, अमित दोहरे, शीतला और मिथलेशी की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर जगनपुरा रोड से सलैया खुर्द जाने वाले मार्ग के पास से पकड़ा गया। पूछताछ में मुख्य आरोपी कुलदीप दोहरे ने हत्या की पूरी साजिश का खुलासा किया। उसने बताया कि उसकी पत्नी शीतला और मृतक अमित नरवरिया के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बात की जानकारी होने पर उसने बदला लेने की ठान ली।

## बाराबंकी में देखते ही देखते आग का गोला बन गईं 13 एंबुलेंस, कैसे हुआ हादसा?

आर्यावर्त संवाददाता

**बाराबंकी।** उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के जैदपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रविवार दोपहर भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और परिसर में खड़ी कई एंबुलेंस इसकी चपेट में आ गईं। इस हादसे में 13 एंबुलेंस पूरी तरह जलकर खाक हो गईं, जबकि करीब 30 एंबुलेंस को समय रहते सुरक्षित बचा लिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना दोपहर करीब 3 बजे की है, जब सीएचसी परिसर में खड़ी एंबुलेंसों के पास से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों ने इसे मामूली घटना समझा, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने भयावह रूप ले लिया। एक के बाद एक कई एंबुलेंस आग की चपेट में आती चली गईं और पूरे क्षेत्र में धुएं का गुबार छा गया। आग की लपटें देखकर अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, सीएचसी परिसर में लंबे समय से 40 से अधिक पुरानी और बिना उपयोगी की जाने वाली एंबुलेंस खड़ी थीं, जिनके स्क्रैप की प्रक्रिया चल रही थी। इस लापरवाही को भी हादसे की एक संभावित वजह माना जा रहा है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें आग लगने के कारणों की जांच में जुटी है।

सूचना मिलते ही जैदपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिसकर्मियों ने साहस का परिचय देते हुए आग की लपटों के बीच खड़ी अन्य एंबुलेंसों को ट्रैक्टर और अन्य साधनों की मदद से हटाया, जिससे बड़ी संख्या में वाहनों को जलने से बचाया जा सका। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी पुलिस का सहयोग किया।

कुछ ही देर में दमकल विभाग की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक 13 एंबुलेंस पूरी तरह जल चुकी थीं और उनका सिर्फ ढांचा ही बचा था। गनीमत यह रही कि आग अस्पताल की मुख्य इमारत तक नहीं पहुंची, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

## अमरोहा में मैरिज हॉल बना जंग का मैदान... बिरयानी के लेग पीस को लेकर जमकर चलीं कुर्सियां

आर्यावर्त संवाददाता

**अमरोहा।** उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में एक शादी समारोह उस समय हंगामे में बदल गया, जब बिरयानी में लेग पीस को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। इस दौरान मैरिज हॉल बैंक्विट हॉल में जमकर मारपीट हुई और लोगों ने एक-दूसरे पर कुर्सियां तक फेंक दीं। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, हसनपुर नगर स्थित एक बैंक्विट हॉल में हैबतपुर बंजारे गांव से आई बारात ठहरी हुई थी। शादी का माहौल पूरी तरह उत्सव में डूबा हुआ था, लेकिन खाने के दौरान बिरयानी में लेग पीस को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद बढ़ता गया कि बाराती और स्थानीय लोगों के बीच गाली-गलौज के बाद हाथापाई शुरू हो गई।

### एक-दूसरे पर फेंकी कुर्सियां

स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों के गुस्साए लोगों ने कुर्सियां उठाकर एक-दूसरे पर फेंकनी शुरू कर दीं। अचानक हुए इस हंगामे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग इधर-उधर भागने लगे। समारोह का माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

### मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को किसी तरह काबू में किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है। वहीं इस घटना के बाद इलाके के मैरिज हॉल संचालक सतर्क हो गए हैं और उन्होंने अपने मैरिज हॉल की सुरक्षा बढ़ा दी है।

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले, मैं आस्था में विश्वास करता हूं लेकिन अंधविश्वासी नहीं

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरे कपड़े को देखकर लोग मुझे अंधविश्वासी मानते होंगे। मैं आस्था में विश्वास करता हूं। सबकी आस्था का सम्मान भी करता हूं। अंधविश्वास को कतई नहीं मानता। मुझे बोला गया था कि नोएडा नहीं जाना है। मैंने कहा कि नोएडा क्या यूपी से बाहर है। बताया गया कि यह मान्यता है कि वहां जाएंगे तो सीएम कुर्सी से उतर जाएंगे। मैंने कहा कि वहां जरूर जाऊंगा। मुख्यमंत्री रहते हुए जो नोएडा नहीं गए, अपनी विभाजनकारी राजनीति के लिए आज वहां पहुंच गए। सीएम ने ये बातें रविवार को लोकभवन में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में चयनित 665 नर्सिंग अधिकारियों

को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में कहीं।

### हर स्टेज पर निगरानी

सीएम ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए हर स्टेज पर शासन द्वारा निगरानी की जाती है। हमारी तीसरी आंख भर्ती प्रक्रिया में सेंध लगाने वालों पर नजर रखती है। ऐसे लोगों को हम कैसा इलाज करते है, यह किसी से छिपा नहीं है। जेवर को वर्ष 2017 के पहले क्राइम कैपिटल के रूप में जाना जाता था। शाम 5 बजे के बाद गतिविधियां शून्य हो जाती थीं। सुबह 10 बजे के पहले तक कर्फ्यू जैसा माहौल रहता था। आज यह इन्वेस्टमेंट का बेस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। देश और दुनिया का हर बड़ा संस्थान ग्रेटर नोएडा आना चाहता है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 9 वर्ष में हम लोगों ने 9 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी। एक भी नौकरी की पारदर्शिता व चयन प्रक्रिया पर विरोध का एक भी प्रश्न नहीं उठा सकता है। ये नियुक्ति की प्रक्रिया जो सफलता पूर्वक सफल हो रही है। मेरिट के आधार पर आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए जिन नौजवानों का चयन हो रहा है परिणाम क्या है, एक नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी, सुचिता पूर्वक होने से न्यायालय का हस्तक्षेप नहीं है। एक पक्ष वह है 2017 से पहले की सभी नियुक्तियां बाधित थी दूसरा पक्ष जो 9 लाख मैनपावर यूपी से जुड़ा, ये प्रतिभाशाली है, यंग ऊर्जा से भरपूर है। इसका लाभ है कि जो राज्य बीमारू था आज हमने उसे भारत की इकॉनमी का ग्रोथ इंजन बना दिया। जिस राज्य में वेतन देने के लिए पैसे नहीं थे आज वो रेवेन्यू सरप्लस हो गया।

उन्होंने कहा कि जिस राज्य की आमदनी प्रतिव्यक्ति आय, देश के अंदर आबादी में सबसे ऊपर लेकिन आमदनी में सबसे नीचे के पायदान पर गिना जाता था। बॉटम 6 में गिना जाता था, आज वह राज्य देश के अंदर टॉप अर्थव्यवस्था में एक है। अपनी प्रतिव्यक्ति आय को 16 की तुलना में 3 गुना करने में सफलता मिली है।

### अपराध ही नहीं जीरो टॉलरेंस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है

जीरो टॉलरेंस सिर्फ अपराध व अपराधियों के प्रति ही नहीं है। जीरो टॉलरेंस करप्शन के प्रति भी है। जीरो करप्शन के लक्ष्य को लेकर सरकार पहले दिन से चल रही है। इसी लिए इस पूरी प्रक्रिया में ट्रांसपेरेंसी हो, किसी भी प्रकार से ह्यूमन इंटरफेयरस न हो इस बात को ध्यान में रख कर इस पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का काम हुआ है। इसी का परिणाम है कि हर हफ्ता हम किसी न किसी नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम से जुड़ते है।

## 665 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का संबोधन

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में आयोजित 665 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और जीरो टॉलरेंस नीति पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति केवल अपराध और अपराधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार के प्रति भी समान रूप से लागू है।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार पहले दिन से ही जीरो करप्शन के लक्ष्य को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार के मानवीय हस्तक्षेप को समाप्त करने के उद्देश्य से सभी प्रक्रियाओं को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार का प्रयास रहा है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हो, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को बिना किसी भेदभाव के अवसर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इसी पारदर्शी व्यवस्था का परिणाम है कि प्रदेश सरकार नियमित रूप से नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित कर रही है और लगभग प्रत्येक सप्ताह किसी न किसी विभाग में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।उन्होंने नव नियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि सभी नवनियुक्त अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में योगदान देंगे।

## डीपीआर में देरी करने वाले अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्रवाई : ए के शर्मा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने रविवार को संगम सभागार, लखनऊ में विभागीय अधिकारियों के साथ स्वीकृत विभिन्न नगरीय योजनाओं की प्रगति की गहन एवं विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन अधिशासी अधिकारियों (ईओ) एवं परियोजना अधिकारियों (पीओ, डूडा) द्वारा स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) समय से तैयार कर शासन को प्रेषित नहीं की जा रही है, उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।ए के शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सभी नगरीय योजनाएं तय समयसीमा के भीतर धरातल पर उतरें और आम जनता को उनका लाभ शीघ्र प्राप्त हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या कार्य में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, वंदन योजना, पेयजल योजना, कान्हा गौशाला योजना, उपवन योजना तथा आदर्श नगर पालिका योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। प्रत्येक योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, डीपीआर तैयार करने की प्रगति, वित्तीय स्वीकृति, कार्यारंभ तथा पूर्णता की समयसीमा पर विस्तार से चर्चा की गई।मंत्री ने निर्देशित किया कि सभी ईओ एवं पीओ (डूडा) अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित डीपीआर को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करें और समय से शासन को प्रेषित करें, ताकि स्वीकृत परियोजनाओं पर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।बैठक के दौरान ए के शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की बाधा आने पर उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जमीनी स्तर पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आमजन से फीडबैक लिया जाए, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता और बेहतर बनाई जा सके।उन्होंने कहा कि नगरीय विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके माध्यम से शहरों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसलिए सभी अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से नागरिकों तक पहुंच सके।

## मन की बात' राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम, प्रधानमंत्री के विचारों से मिलती है नई ऊर्जा : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संबोधित लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों के लिए प्रेरणा, मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन का सशक्त माध्यम बन चुका है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विचार हर नागरिक के भीतर नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल एक संवाद नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त करने वाला एक अद्भुत जनसंवाद है, जो समाज को

सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों तथा ऊर्जा क्षेत्र में उत्पन्न चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री का संतुलित, स्पष्ट और आश्वस्त करने वाला दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि भारत हर परिस्थिति में सजग, सक्षम और दृढ़ है। प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से जागरूक रहने, अफवाहों से दूर रहने तथा एकजुट होकर संयमित आचरण करने का आह्वान प्रत्येक नागरिक के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन है।उप मुख्यमंत्री ने 'मन की बात' में प्रस्तुत प्रेरक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी में एक ही घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधारोपण कर बनाए गए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का उल्लेख उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप दे रहा है, जिसमें छात्र, जवान और स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी सराहनीय है।उन्होंने कहा कि 'ज्ञान भारतम' पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और अन्य जनहितकारी प्रयासों के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा मिल रही है। साथ ही जल संकट के समाधान के लिए देशभर में सामुदायिक स्तर पर किए जा रहे प्रयास—जैसे तालाबों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन तथा 'अमृत सरोवर' अभियान के अंतर्गत हजारों सरोवरों का निर्माण—जनभागीदारी की सशक्त मिसाल हैं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में लोगों को व्यापक लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होने के साथ जीवन स्तर भी बेहतर हो रहा है।केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रेरक और मार्गदर्शी संवाद देश के प्रत्येक नागरिक के मन में विश्वास, स्थिरता और जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ करता है।

## प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शिक्षक व चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शिक्षक प्रकोष्ठ और चिकित्सा प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों तथा जिला/शहर अध्यक्षों को मनोनयन पत्र वितरण कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी Avinash Pandey मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता Aradhana Mishra Mona तथा राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी उत्तर प्रदेश Dheeraj Gurjar विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष-प्रभारी (संगठन) डॉ. श्रवण कुमार गुप्ता ने किया।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ. अमित कुमार राय एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ. आज़ाद बेग द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट अली आसिफ जमा रिज़वी, सूचना का अधिकार विभाग (आरटीआई) के प्रदेश चेयरमैन पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अविनाश पाण्डेय ने दोनों प्रकोष्ठों के चेयरमैन को निर्धारित समयसीमा में अपनी समितियों का गठन करने पर बधाई दी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं जिला/शहर अध्यक्षों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए निर्देश दिया कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं तथा समाज में शिक्षकों और चिकित्सकों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करें।

## QS एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में बीबीएयू को मिली नई पहचान, दक्षिण एशिया में 254वीं रैंक

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ ने QS एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 801–850 बैंड में स्थान प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में 254वीं रैंक प्राप्त की है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की बढ़ती शैक्षणिक गुणवत्ता और वैश्विक स्तर पर मजबूत होती पहचान को दर्शाती है।QS रैंकिंग में विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता धारणा, शोध उत्पादन, संकाय क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय सहभागिता जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाता है। बीबीएयू ने शोध उत्पादकता और शोध पत्रों के उद्धरण (साइटेशन) के क्षेत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जो विश्वविद्यालय में लगातार मजबूत हो रही शोध संस्कृति का संकेत है। साथ ही, यह रैंकिंग वैश्विक सहयोग, शैक्षणिक दृश्यता तथा छात्र विनिमय कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि यह रैंकिंग विश्वविद्यालय की प्रगति का प्रतिबिंब होने के साथ-साथ भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने, वैश्विक सहभागिता बढ़ाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों को बधाई देते हुए 'Together We can, Together We will' का संदेश दिया और कहा कि विश्वविद्यालय विकसित भारत के निर्माण की दिशा में संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक तैयार कर रहा है।आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा ने कहा कि इस उपलब्धि की यात्रा में आईक्यूएसी ने गुणवत्ता मानकों को मजबूत करने और व्यवस्थागत सुधारों पर विशेष ध्यान देते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता की संस्कृति को विकसित करना है, क्योंकि जब व्यवस्थाएं बेहतर होती हैं, तो परिणाम स्वतः बेहतर दिखाई देते हैं।बीबीएयू के लिए यह रैंकिंग केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर विकास और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। सामूहिक प्रयासों और मजबूत प्रतिबद्धता के साथ विश्वविद्यालय उच्च शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में लगातार अग्रसर है।

### शराब की लत से परेशान युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

**लखनऊ।** थाना बीकेटी क्षेत्र के ग्राम दुर्जनपुर में एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दुर्जनपुर निवासी मुकेश यादव ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका भाई टिंकू (उम्र लगभग 20 वर्ष) अविवाहित था और ऑटो रिक्शा चालक के रूप में कार्य करता था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में घर आकर परिजनों के साथ गाली-गलौज और विवाद करता रहता था।बताया गया कि 28 मार्च 2026 की रात करीब 09:00 बजे टिंकू शराब के नशे में घर पहुंचा और रोज की तरह परिजनों से विवाद करने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया।

## रेकी कर महिलाओं को बनाता था निशाना, मंगलसूत्र छिनैती करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** कमिश्नरेट लखनऊ में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बिजनौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दक्षिणी जोन पुलिस ने छिनैती की घटना को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को चोरी किए गए मंगलसूत्र के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी जोन के नेतृत्व एवं अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी जोन तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर के पर्यवेक्षण में थाना बिजनौर पुलिस टीम द्वारा इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।पुलिस के अनुसार 1 मार्च 2026 को थाना बिजनौर क्षेत्र के न्यू गुडौरा इलाके में छिनैती की घटना हुई थी। इस संबंध में वादी राहुल यादव ने थाना बिजनौर में लिखित तहरीर देकर बताया था कि उनकी माता न्यू गुडौरा बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रही थीं। जब वह न्यू गुडौरा स्थित भारत पेट्रोलियम के पीछे वाली सड़क पर पहुंचीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति पैदल आया और झपट्टा मारकर उनका मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद थाना बिजनौर में तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी की तलाश शुरू की गई थी। घटना के अनावरण के लिए प्रभारी निरीक्षक थाना बिजनौर द्वारा विशेष पुलिस टीम गठित कर लगातार तलाश और पतारसी की जा रही थी।

## सीतापुर के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी अरुणेश यादव समर्थकों सहित कांग्रेस में शामिल

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की नीतियों और समावेशी विचारधारा में आस्था व्यक्त करते हुए जनपद सीतापुर से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी रहे अरुणेश यदव ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने यह सदस्यता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष Ajay Rai के समक्ष, सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के नेतृत्व में अपने समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में ग्रहण की।इसी क्रम में परिवर्तन समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने भी अपनी पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अरुणेश यादव,

दुर्गा प्रसाद गुप्ता तथा उनके साथ आए समर्थकों को कांग्रेस का तिरंगा पट्टिका पहनाकर और सदस्यता कार्ड प्रदान कर विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया।कार्यक्रम के उपरांत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अरुणेश यादव एवं उनके समर्थकों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा, जनहित के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण से प्रभावित होकर लगातार विभिन्न दलों के नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस से जुड़ रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अरुणेश यादव के कांग्रेस में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी और जनपद सीतापुर सहित पूरे प्रदेश में पार्टी का जनाधार और मजबूत होगा।इस अवसर पर सांसद राकेश राठौर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही देश और प्रदेश में आमजन की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अरुणेश यादव के अनुभव और उनके व्यापक जनसंपर्क का लाभ भविष्य में कांग्रेस पार्टी को निश्चित रूप से मिलेगा।सदस्यता ग्रहण करने के बाद अरुणेश यादव ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने का कार्य करेंगे।अरुणेश यादव के साथ सदस्यता ग्रहण करने वालों में बाबूराम यादव, आशीष कुमार यादव, अखिलेन्द्र सिंह, श्रवण कुमार यादव, महेन्द्र कुमार यादव, नीतीश यादव, नीरज यादव, चन्द्र पाल यादव, विनोद यादव, वीरेंद्र यादव, इन्द पाल रावत, अमरीश यादव, अंशुल यादव, राजेश यादव, शिवमूरत यादव, अमित यादव, विवेक यादव, अमित रस्तोगी, राम प्रकाश यादव, लवकुश यादव, चंद्रशेखर यादव, राजेश कुमार, डॉ. लवकुश यादव, मेराज, महावीर यादव, नरेन्द्र यादव, लवलेश यादव, अनुराग यादव (प्रधान), अजय यादव, शिवम सिंह, सरोज रावत, अनु प्रताप रावत, राम चन्द्र यादव, ओम प्रकाश यादव, शिवराम मौर्य सहित अन्य अनेक लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।इसके अतिरिक्त परिवर्तन समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव दुर्गा प्रसाद गुप्ता के साथ पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले नेताओं में प्रदेश संगठन मंत्री भोला नाथ सोनकर, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी सतीश चन्द्र गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अंजनी कुमार गुप्ता, जिला सचिव तेज बहादुर गुप्ता, जिला मंत्री सुरेश कुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष मिर्जापुर अजय कुमार गुप्ता, देवेन्द्र कुमार गुप्ता, राजेश कुमार गुप्ता, सत्य प्रकाश सोनकर सहित अन्य कई पदाधिकारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

## बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली पर बन रहा आधुनिक कन्वेंशन सेंटर, अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में आस्था और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फिरोजाबाद स्थित बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली पर बड़े स्तर पर विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में यहां एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कार्य तेजी से जारी है, जिसका लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस परियोजना के अप्रैल 2026 के अंत तक पूर्ण होने की संभावना जताई जा रही है।करीब 865.98 लाख रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस कन्वेंशन सेंटर पर अब तक 769.74 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। यह केंद्र न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा, जिससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

इस कन्वेंशन सेंटर को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसमें एक मल्टीपर्पज हॉल, सांस्कृतिक ब्लॉक तथा आधुनिक एग्जीबिशन हॉल का निर्माण किया जा रहा है। एग्जीबिशन हॉल में बाबा नीब करौरी के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं और उनकी आध्यात्मिक यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु उनके जीवन दर्शन को नजदीक से समझ सकेंगे।भवन के ग्राउंड फ्लोर पर शौचालय, डाइनिंग हॉल, लगभग 50 लोगों की क्षमता वाली कैफेटेरिया तथा किचन की व्यवस्था की जा रही है। वहीं प्रथम तल पर पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग डॉर्मिटरी बनाई जा रही हैं, जिनमें 30 डबल बेड के माध्यम से लगभग 60 लोगों के ठहरने की सुविधा उपलब्ध होगी।इसके साथ ही क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए एक अन्य परियोजना भी शुरू की गई है, जिस पर लगभग 1.77 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस परियोजना के तहत सड़क तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही और अधिक सुगम हो सकेगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कन्वेंशन सेंटर और सड़क परियोजना से क्षेत्र के विकास का स्वरूप पूरी तरह बदलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली को एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये परियोजनाएं न केवल आस्था को सशक्त करेंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देंगी।अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है।

## यूएस शांति प्लान को ईरान द्वारा ठुकराए जाने के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ क्या हैं?

यदि आप देश-दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने के बजाए लाभप्रद और वर्चस्वमय हिंसा-प्रतिहिंसा को बढ़ावा देने की सीख सिखाने के आदी हो चुके हैं, तो सावधान हो जाइए। यह आपकी अप्राकृतिक हरकत है जिसकी कीमत आपको कभी न कभी चुकानी ही पड़ेगी। यह अकाट्य सत्य है क्योंकि देर-सबेर हुतात्माओं/निरीह पशु-प्राणियों के आत्मा के चक्रव्यूह (जबरदस्त गोलबंदी) में आप घिरेंगे और फिर आपके साथ भी वही होगा, जिसके सबक बेदर्द इतिहास के पन्नों में भरे पड़े हैं। जो बोइयेगा, वही काटियेगा, यह प्रकृति का अपरिवर्तित नियम है। सनातन धर्म में अकाल मृत्यु का स्रोत ऐसे ही प्रारब्ध जनित कर्मों का प्रतिफल है। आतंक उत्पादक और निर्यातक अमेरिका-ईरान इसी अकाट्य नैसर्गिक नियम के शिकार होते प्रतीत हो रहे हैं, फिर भी उन्हें सद्बुद्धि नहीं आई है, जबकि इजरायल तो अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए जूझ रहा है। वह धर्मयुद्ध का शिकार है। वह अल्पसंख्यक यहुदी होने की कीमत चुका रहा है। वहीं, शांतिप्रिय और गुटनिरपेक्ष देश भारत चाहकर भी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना सबके दिलोदिमाग में नहीं जगा पा रहा है। उसके सर्वे भवंतु सुखिनः वाली सोच की धज्जियां पाकिस्तान उड़ा-उड़वा रहा है।

इसलिए सबको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है। चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध हो या भारत-पाकिस्तान युद्ध या फिर संभावित चीन-ताइवान युद्ध, या फिर अन्य द्विदेशीय सीमा संघर्ष, सबको टालना, टलवाना जरूरी है। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को कठोर होना पड़ेगा। वीटो पावर प्राप्त पांचों देशों को और अधिक जिम्मेदार बनना पड़ेगा। हथियारों और दवाओं को कारोबार नहीं, बल्कि सुरक्षा और सेवा के नजरिये से देखना पड़ेगा।

ऐसा इसलिए कि पूरी दुनिया में इस्लामिक शासन लाने के स्वप्नद्रष्टा देश ईरान द्वारा पूंजीवादी लोकतांत्रिक मुल्क अमेरिका के 15 सूत्री अमेरिकी शांति योजना को ठुकरा दिया है। इससे मध्य पूर्व में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। इससे युद्ध का अभूतपूर्व विस्तार और द्विपक्षीय बर्बादी तय है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, जहां ईरान ने अमेरिकी 15-सूत्री योजना (जिसमें परमाणु सुविधाओं का विघटन और मिसाइल सीमाएं शामिल हैं) को 'अत्यधिक' बताकर खारिज कर दिया, वहीं ईरान ने अमेरिकी-इजरायल गुटबंदी के ऊपर अपनी पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखीं हैं, जैसे युद्ध क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता और हमलों का अंत आदि। इससे संघर्ष लंबा खिंच सकता है, क्योंकि ईरान हमले जारी रखे हुए है। इस पूरे प्रकरण में कठोर क्षेत्रीय प्रतिक्रियाएं मिली हैं। जहां अरब-खाड़ी देशों, यथा- सऊदी, यूएई आदि और जॉर्डन ने ईरान की कार्रवाइयों की निंदा की, वहीं परस्पर एकजूट होकर ईरान की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं पर विराम लगाने के उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। साथ ही, यूएनएससी में प्रस्ताव लाया गया। जबकि अमेरिकी एजेन्ट पाकिस्तान बनावटी मध्यस्थ बना रहा है, लेकिन सबके बीच पारस्परिक अविश्वास गहरा गया है। जहां तक वैश्विक प्रभाव की बात है तो संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि होर्मुज बंद होने से तेल (20% वैश्विक आपूर्ति) कारोबार प्रभावित हो रहा है, जिससे कीमतें $100+ पहुंचीं और अर्थव्यवस्थाएं चरमरा रही हैं। इससे प्रभावित यूरोप, भारत, पूर्वी एशियाई देश और अन्य ने शांति की मांग की, जबकि अपना शांति प्रस्ताव खारिज होते ही अमेरिका ने और अधिक सैनिक ईरान की ओर भेज दिए हैं। इससे कूटनीतिक चुनौतियां भी उपजी हैं। जहां यह अस्वीकृति ट्रंप प्रशासन की पहल को झटका देती है, वहीं ईरान को मजबूत बनाती है और मध्यस्थों (पाकिस्तान, मिस्र) की भूमिका कमजोर करती है। इससे भविष्य में सैन्य एस्केलेशन या नए मध्यस्थ (रूस?) का उभार संभव है।

अंतर्राष्ट्रीय युद्ध विशेषज्ञ बताते हैं कि ईरान द्वारा यूएस शांति योजना अस्वीकृति से मध्य पूर्व युद्ध अनिश्चितकाल तक लंबा खिंच सकता है, क्योंकि कोई नया समझौता होता नहीं दिखाई दे रहा है। वहीं, जिस तरह से पहले यूक्रेन के पीछे पूरा यूरोप/अमेरिका खड़े थे, अब ईरान के पीछे रूस/चीन जैसे कद्दावर देश खड़े हो चुके हैं। इससे इस युद्ध में युद्धोन्मादी देश अमेरिका की मिट्टी पलीद हो रही है। यूरोप का नाटो भी पूरी तरह से अमेरिका के पक्ष में खड़ा नहीं है, बल्कि अपना हाथ खींच चुका है। इससे ईरान के हौसले बुलंद हैं। विशेषज्ञों के इस युद्ध से जुड़े अनुमान पहले 4-6 सप्ताह के थे, लेकिन अब महीनों या उससे अधिक का खतरा बता रहे हैं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने युद्ध को 4-5 सप्ताह का बताया था, जबकि पेंटागन ने 4-6 सप्ताह का अनुमान लगाया। लेकिन 26 दिनों बाद भी हमले जारी हैं, ईरान ने भी जबर्दस्त काउंटर किया है। उसने युद्ध रोकने सम्बन्धी एक काउंटर-प्रस्ताव भी रखा हुआ है।

# नक्सलवाद का अंतिम अध्याय: 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल-मुक्त

## अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत

**केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ़ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं**

**डॉ प्रदीप कुमार वर्मा**

महज 29 दिन बाकी हैं। 31 मार्च 2026 को भारत का वो काला अध्याय खत्म होने जा रहा है, जिसने पिछले पांच दशकों से देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों को खून से रंगा रखा था। लाल गलियारे का वो जाल, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों के जंगलों में फैला हुआ था, अब टूटने की कगार पर है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ़ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं कि वो लक्ष्य हासिल होने वाला है। सन 2000 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म प्रभावित जिलों की संख्या 200 थी। सन 2014 में यह संख्या 126 थी। 2025 तक यह घटकर 38 रह गई। आज सिर्फ़ सात जिले बचे हैं - छत्तीसगढ़ के पांच, झारखंड और ओडिशा में एक-एक। इनमें भी सिर्फ़ तीन को सबसे अधिक प्रभावित' माना जा रहा है। हिंसा 70 प्रतिशत से ज्यादा घटी है। नागरिक और सुरक्षाबलों के शहीद होने की संख्या न के बराबर रह गई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2025 में ही 2337 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं - 2024 के 881 की तुलना में 165 प्रतिशत बढ़ोतरी। 317 नक्सली मारे गए। हजारों गिरफ्तार हुए।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि एक रणनीति की जीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ़ बहुआयामी लड़ाई लड़ी। सिर्फ़ गोली नहीं, विकास भी केन्द्र शासित राज्यों में डबल इंजन' सरकार ने सड़कें, मोबाइल टावर, स्कूल, अस्पताल और रोजगार दिए। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलियों की भर्ती का सबसे बड़ा आधार - बेरोजगारी और पिछड़ापन - खत्म हुआ। झारखंड इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। एक समय यह राज्य नक्सलवाद का गढ़ था। 2014-19 में मुख्यमंत्री रघुबर दास के नेतृत्व में, जब केंद्र में भी मोदी सरकार थी, नक्सल समस्या में भारी कमी आई। सड़कों का जाल बिछा, पुलिस स्टेशन मजबूत हुए, स्थानीय युवाओं को नौकरियां मिलीं। आज झारखंड में नक्सली गतिविधियां न के बराबर हैं। डबल इंजन की ताकत यही है - सुरक्षा के साथ विकास। अमित शाह ने न सिफ़र् सुरक्षा बलों को खुली छूट दी, बल्कि केंद्र-राज्य तालमेल को भी नया रूप दिया। उन्होंने बार-बार कहा - 'नक्सली या तो सरेंडर करो, वरना खत्म होने के लिए तैयार रहो।' और सुरक्षा बलों ने ठीक वैसा ही किया। 2025 की कुछ बड़ी घटनाएं याद कीजिए: मई 2025 में छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ क्षेत्र में ऑपरेशन कागर' (या ब्लैक फॉरेस्ट) में माओइस्ट के महासचिव नंबाला केशव राव उफ़र् बासवराजू समेत 27 नक्सली ढेर कर दिए गए। यह तीन दशकों का सबसे बड़ा झटका था। इसी वर्ष जनवरी 2026 में झारखंड के वेस्ट सिंहभूम जिले में ऑपरेशन मेगाबुरु' में 16 नक्सली मारे गए, जिनमें सेंट्रल कमिटी सदस्य आनंद उफ़र् पटिराम मांझी (एनाल दा) शामिल था। उस पर 2.35 करोड़ का इनाम था।इसी वर्ष पिछले महीने फरवरी 2026 में तेलंगाना में टॉप कमांडर देवजी (थिप्पिरी तिरुपति) ने 20 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। देवजी 40 साल से जंगलों में था। इनके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा में दर्जनों छोटे-बड़े एनकाउंटर हुए। स्नाइपर स्पेशलिस्ट, बैटालियन कमांडर, महिला कमांडर - सब एक-एक कर खत्म कर दिए गए या सरेंडर करने को मजबूर कर दिए गए। 2025 में अकेले छत्तीसगढ़ में ही 2100 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया, 1785 नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई और 477 नक्सली ढेर कर दिए गए।

लेकिन सरकार सिफ़र् नक्सलवाद खत्म करने पर नहीं अटकी। समस्या खत्म होने के बाद इसे दोबारा न उभरने देने का प्लान भी तैयार है। गृह मंत्रालय ने 31 लिगेसी थ्रस्ट डिसट्रिक्ट्स' चिन्हित किए हैं - जैसे महाराष्ट्र का गढ़चिरौली, मध्य प्रदेश का बालाघाट, तेलंगाना का भद्राद्री कोठागुडेम। ये वो इलाके हैं जहां नक्सलवाद कभी मजबूत था, लेकिन अब हिंसा लगभग खत्म हो चुकी है। इन्हें लिगेसी कहा जाता है क्योंकि ये पुरानी प्रभाव वाली जगहें हैं, और थ्रस्ट इसलिए क्योंकि यहां नक्सल विचारधारा दोबारा पनपने की आशंका बनी रह सकती है। इसलिए केंद्र की मोदी सरकार इन जिलों को सुरक्षा, विकास और सामाजिक योजनाओं में विशेष मदद दे रहा है। झारखंड में भी कई ऐसे जिले हैं, जैसे गुमला, खूंटी, सिमडेगा और चतरा, जहां पहले नक्सल प्रभाव था। इन जिलों में अब केन्द्र की मदद से विशेष विकास पहल चल रही हैं, जैसे 1947 के बाद पहली बार रेलवे कनेक्टिविटी लाई जा रही है। झारखंड के करीब 32.48 प्रतिशत क्षेत्र जंगल है, और गढ़वा, पलामू, लातेहार जैसे जिले पहले संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित थे। इन लिगेसी' इलाकों में अब विकास, सामाजिक योजनाएं और सुरक्षा को साथ-साथ मजबूत किया जा रहा है ताकि कोई भी छाया दोबारा न आए। क्योंकि नक्सल विचारधारा अभी पूरी तरह मरी नहीं है, सिफ़र् हथियार डाल रही है।

नक्सलवाद की जड़ें 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़ी हैं। तब यह किसान विद्रोह' के रूप में शुरू हुआ, लेकिन जल्दी ही हिंसा, आतंक और विकास-विरोधी बन गया। हजारों निर्दोष आदिवासी, जवानों और अधिकारियों की जान गई। स्कूल जलाए गए, सड़कें रोकी गईं, खनिज संपदा लूटने की कोशिशें हुईं। मोदी सरकार ने इसे सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा चुनौती' मानकर पूरी ताकत झोंक दी।

आज जब 31 मार्च करीब है, तो पूरा देश गर्व से कह सकता है - लाल गलियारा अब हरा हो रहा है। जहां कभी बंदूक की गूंज थी, वहां अब विकास की आवाज़ है। सड़कें बन रही हैं, बच्चे स्कूल जा रहे हैं, युवा नौकरी पा रहे हैं। ये सब संभव हुआ है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से। उन्होंने न सिफ़र् रणनीति बनाई, बल्कि उसे लागू भी करवाया। सुरक्षा बलों - ष्टक्रक्कस्न, क्वस्स्न, राज्य पुलिस, ष्ठक्रत्र - को पूरा समर्थन दिया। सरेंडर पॉलिसी को आकर्षक बनाया। फंडिंग के स्रोत बंद किए। और सबसे बड़ा - राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई। 31 मार्च 2026 के बाद भारत नक्सल-मुक्त होगा। लेकिन लड़ाई पूरी नहीं होगी। विकास की लड़ाई जारी रहेगी।

## टिप्पणी

# समस्याएं दूर नहीं हुई

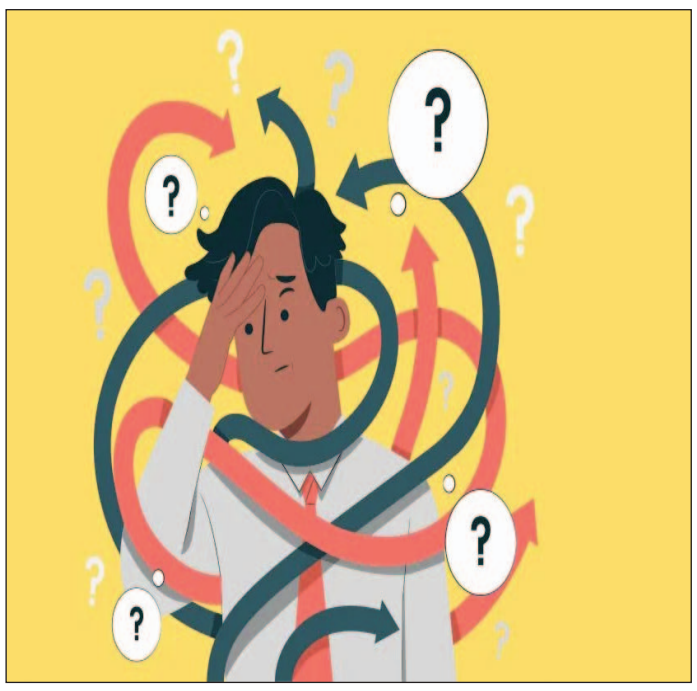

अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है। मगर निर्यात, ऋण, कर वसूली, बिजली उपभोग, बिक्री, एवं औद्योगिक उत्पादन संकेतक आदि से संबंधित आंकड़े इस रुझान की पुष्टि नहीं करते। अर्थशास्त्रियों के लिए इसे समझना रहस्य बना रहा है। हाल में जीडीपी के अपनाए गए नए आधार वर्ष और नई विधि के बावजूद यह रहस्य सुलझा नहीं है। अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स (पीआईआईई) के एक ताजा शोध पत्र में इस रहस्य को समझने की कोशिश की गई है।

भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं अब पीआईआईई से जुड़े अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम और दो अन्य अर्थशास्त्री इस शोध में शामिल हुए। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जीडीपी की नई सीरीज अपनाए जाने के बावजूद वे समस्याएं दूर नहीं हुई हैं, जिस कारण पुरानी सीरीज से अयथार्थ तस्वीर उभरती थी। इन अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध जनवरी 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई थी। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। तब थोक मूल्य सूचकांक का सेवा क्षेत्र में भी डिफ्लेटर के रूप मे इस्तेमाल किया जाने लगा। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डब्लूपीआई सेवा क्षेत्र के मूल्यों को समाहित कर पाने में विफल रहता है।

इन बिंदु पर इस बार भी सुधार हुआ नहीं दिखता। एक अन्य समस्या औपचारिक क्षेत्र के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र के प्रदर्शन का आकलन है। अनौपचारिक क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन से अधिक बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन वो हकीकत जीडीपी आंकड़ों में नहीं झलकी। पिछले दो दशक के आंकड़ों की गणना के आधार पर शोध पत्र में कहा गया है कि विसंगतियों के कारण संभवतः 2005 से 2011 तक असल जीडीपी का एक से डेढ़ प्रतिशत कम अंदाजा लगा, जबकि 2012 से 2023 तक इसे डेढ़ से दो प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। अपेक्षा थी कि नई सीरीज से इसमें सुधार होगा। मगर पीआईआईई के शोध-पत्र ने इस संबंध में नए संदेह खड़े कर दिए हैं।

## ब्लॉग

# आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

**सौरभ वार्ष्णेय**

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझौर देती है।

अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कही से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है।

अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताऐं जुड़ी है।

अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगा।

इसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार

हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है।

आत्महत्या नहीं—जीवन का चयन करें

यह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती है—समझ, सहानुभूति और संवाद की।

परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा।सबसे अहम बात—हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। कठिन समय में मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। जीवन अनमोल है, और हर समस्या का समाधान संभव है, बस जरूरत है सही दिशा और सहयोग की।आइए, म सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां कोई भी व्यक्ति अकेलेपन और निराशा के कारण अपनी जिंदगी खत्म करने का विचार न करे। जीवन चुनें, क्योंकि हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।

आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक दबाव एक सामान्य वास्तविकता बन चुका है। पढ़ाई, नौकरी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएं—इन सबके बीच व्यक्ति कई बार स्वयं को असहाय और अकेला महसूस करने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में कुछ लोग आत्महत्या जैसे कठोर कदम के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि स्थायी पीड़ा का कारण है।आत्महत्या एक पल की निराशा का निर्णय होता है, जबकि जीवन अनगिनत संभावनाओं से भरा होता है। कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, और हर समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है। जो आज असहनीय लग रहा है, वह समय के साथ हल्का हो सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों ने गहरे संघर्षों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सफलता हासिल की।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अभी भी जागरूकता की कमी है। लोग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे अंदर ही अंदर तनाव बढ़ता जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने आसपास के लोगों के प्रति संवेदनशील बनें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उन्हें सहारा दें। परिवार और मित्रों का साथ किसी भी कठिन परिस्थिति में व्यक्ति को संभाल सकता है।शिक्षा संस्थानों और कार्यस्थलों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। काउंसलिंग सेवाएं, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और सकारात्मक वातावरण व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे लोग मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय खुलकर बात कर सकें। यह याद रखना चाहिए कि जीवन अमूल्य है। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। निराशा के क्षणों में धैर्य रखना और सहायता मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का प्रतीक है। यदि हम स्वयं या हमारे आसपास कोई व्यक्ति कठिन दौर से गुजर रहा है, तो उसे यह विश्वास दिलाना हमारी जिम्मेदारी है कि वह अकेला नहीं है। आत्महत्या नहीं, जीवन चुनें—क्योंकि हर जीवन महत्वपूर्ण है और हर समस्या का समाधान संभव है।

**लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।**

# लखीमपुर खीरी में दर्दनाक हादसे: दो मां और दो बच्चों की मौत, चारों को ट्रकों ने कुचला, परिवारों में मचा कोहराम

आर्यावर्त संवाददाता

**लखीमपुर खीरी।** यूपी के लखीमपुर खीरी में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए दो दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं में कुल चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन घटनाओं के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

पहले हादसे में लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग पर बाइक और डीसीएम में टक्कर हो गई। जिसमें छह माह की बच्ची और 28 वर्षीय मां शाहमीन की दर्दनाक मौत हो गई। डीसीएम लेकर भागने के प्रयास में ईरिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा में सवार चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायल को सीएचसी से जिला अस्पताल ओयल रेफर कर दिया गया है।

पठान पुरवा निवासी इसराइल अपनी पत्नी शाहमीन और तीन बेटियों के साथ बाइक से नीमगांव अपने मामा के यहां शादी समारोह में जा रहे थे। इसराइल ने बताया वह लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग स्थिति राजेपुर गांव का पास पहुंचे थे। उसी समय सामने से डीसीएम आ गई। बाइक चालक ने बताया डीसीएम चालक ने बाइक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर बैठी शाहमीन और रशीदा बाइक से उछलकर डीसीएम के नीचे आ गई। पहिए के नीचे आए से छह माह की बच्ची रशीदा के दो टुकड़े हो गए और 28 वर्षीय शाहमीन के सीने के ऊपर हिस्सा कुचलकर अलग हो गया। जबकि बाइक चला रहे इसराइल (29) आफरीन छह वर्ष और पलक तीन वर्ष उछलकर दूसरी तरफ गिरने से बाल बाल बच गए।

दुर्घटना के बाद डीसीएम चालक मौके से भागने के प्रयास में आगे जा रहे रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे रिक्शा उछलकर सड़क किनारे पलट गया। ई रिक्शा में सवार चालक समेत पांचों लोग घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से सीएचसी फरधान लाया गया। जहां से ई रिक्शा चालक राजकुमार को छोड़कर चार लोगों को जिला अस्पताल ओयल के लिए रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना से मौके पर चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों ने आकर डीसीएम मौके पर रोक लिया और चालक को पकड़ लिया। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई और चालक को कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों से छुड़ाया।

इसी तरह जिले में हुए दूसरे सड़क हादसे में भी दो लोगों की जान चली गई। यह घटना भी तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुई बताई जा रही है। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। पलियाकलां नवीन मंडी समिति के पास शनिवार की रात करीब 12.30 बजे बाइक की टक्कर के बाद स्कूटी सवार मां और उसका दो महीने का दुधमुंहा बच्चा पीछे से आ रहे ट्रक के पहियों के नीचे आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में स्कूटी चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

### ई रिक्शा में सवार घायलों की सूची

1. राजकुमार 23 निवासी देवरिया थाना फरधान।
2. विद्या देवी 85 वर्ष निवासी देवरिया थाना फरधान।
3. पप्पू 55 वर्ष निवासी रसूलपुर थाना नीमगांव।
4. रामफूल 86 वर्ष निवासी रसूलपुर थाना नीमगांव।
5. माया देवी 35 वर्ष निवासी अटवा थाना नीमगांव।

मिली जानकारी के अनुसार, महंगापुर निवासी सुखदेव सिंह के 26 वर्षीय पुत्र हरमन सिंह अपनी 30 वर्षीय बहन कुलदीप कौर पत्नी अमरीक सिंह और उनके दो माह के बच्चे को स्कूटी पर बैठाकर पलिया से अपने घर बम नगर जा रहे थे। जैसे ही उनकी स्कूटी नवीन मंडी समिति के पास पहुंची, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार तीनों सड़क पर उछलकर गिर पड़े। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक के पहिए मां और दो माह के मासूम बच्चे के ऊपर से गुजर गए, जिससे दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पलिया कोतवाली पुलिस ने आनन फानन में 108 एंबुलेंस की मदद से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने कुलदीप कौर और उनके बेटे को मृत घोषित कर दिया। वहीं हरमन सिंह की हालत नाजुक होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

# सुरों की छटा बिखेरी, कलाकारों ने बांधा समां

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम "संगीत संध्या उमंग" का आयोजन अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में अत्यंत भव्य एवं संगीतमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गायिका पल्लवी मुखर्जी की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी आत्मप्रकाश धर द्विवेदी ने भी अपनी प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरीं।सांस्कृतिक संध्या के दौरान पल्लवी ने एक से बढ़कर एक गीतों और गजलों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें "होश वालों को खबर क्या", "आज जाने की जिद न करो", "लग जा गले", "अजी रूठ कर", "मोह मोह के धागे" और समापन में "कबिरा" जैसे लोकप्रिय गीत शामिल रहे। ऑर्गन पर राहुल, ढोलक पर सुनील, तबला पर डॉ. अवधेश तथा ऑक्टोपैड पर आशुतोष एवं गिटार पर सविक मुखर्जी ने अपनी सधी हुई संगत से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह एवं पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी.सी. पतंजलि द्वारा कलाकारों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक संध्या की संयोजक डॉ. अन्नू त्यागी ने किया।शिक्षक छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने इस सुरमयी संध्या का भरपूर आनंद लिया।

# दहेज के लिए ईंट से कूचकर विाहिता की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** विवाहिता की दहेज के लिए शनिवार की देर रात में ससुराल वालों ने ईंट से कूच-कूचकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद सभी फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को एम्बुलेंस के जरिये स्थानीय सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने विवाहिता को मृत घोषित कर दिया।पुलिस की सूचना पर पहुंची मृतका की मां ने पति समेत ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। मां का कहना है कि ससुराल वाले 5 लाख रुपए नकद की मांग कर रहे थे। रुपए न मिलने पर पर मेरी बेटी के साथ मारपीट करते थे। पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर उनके गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।प्रकरण मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव का है। मृतका की पहचान 30 वर्षीय सुनीता पटेल के रूप में हुई है। गांव निवासी शैलेश कुमार उर्फ शशी पटेल पुत्र तिलकधारी से सुनीता की शादी वर्ष 2017 में हुई थी। दंपति की एक 5 वर्षीय बेटी आंशी है। सुनीता 10 दिन पहले मायके से ससुराल आई थी।बरसठी थाना क्षेत्र के चतुभुजपुर गांव निवासी मृतका की मां शीला देवी ने बताया कि शादी के बाद से ही पति, जेठ, ससुर समेत अन्य परिजन 5 लाख रुपए अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे और इसे लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे। शनिवार की रात में सभी ने मिलकर सुनीता की ईंट से कूचकर हत्या कर दी। सुनीता के शरीर पर भी चोट के निशान भी पाए गए हैं। हत्या करने के बाद ससुराल वाले मौके से फरार हो गए। पिता किशन ने बताया कि इसकी सूचना हमें नहीं दी गई। पुलिस की सूचना पर मड़ियाहूं सीएचसी पहुंचा। यहां देखा तो सुनीता का चेहरा ईंट से कूचा हुआ है और उसके शरीर पर भी कई जगह चोट के निशान है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रविवार की दोपहर में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मड़ियाहूं थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि पिता किशन कुमार पटेल के तहरीर के आधार पर पति समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

### सड़क सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन हो

**जौनपुर।** जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। निर्देशित किया गया कि सभी संबंधित विभाग सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनाए गए अवैध कट को तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए तथा इसकी प्रगति की समीक्षा भी की। इसके साथ ही उन्होंने यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने, ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर आवश्यक सुधार कार्य कराने, सड़क संकेतक एवं चेतावनी बोर्डों को सुदृढ़ करने तथा ओवरलोडिंग एवं तेज गति पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# बदमाषों ने युवक को मारी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** जनरेटर चोरी की कोशिश नाकाम होने पर बदमाशों ने शनिवार की देर रात में फायरिंग कर दी। गोली लगने से डीजे संचालक घायल हो गए। इसके बाद घायल ने खुद फोन करके एम्बुलेंस को बुलाया। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने पहले नौपेड़वा सीएचसी पहुंचाया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों ने बाद में बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के गढ़ाबाघराय बाजार का है। घायल की पहचान 35 वर्षीय अवधेश यादव उर्फ पुल्ली पुत्र कृपाशंकर के रूप में हुई है। मैजिक वाहन से शनिवार रात एक पहुंचे आधा दर्जन बदमाशों ने पहले हवाई फायरिंग की और पूर्व दिशा की ओर चले गए। कुछ देर बाद वे दोबारा लौटे और बाजार में रखे जनरेटर को लादने का प्रयास करने लगे। घायल पुल्ली ने बताया कि जब उन्होंने विरोध करते हुए डंडा फेंका, तो वाहन में सवार एक बदमाश ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली जंघे को छूते हुए निकल गई, जबकि दूसरी जंघे में लग गई। घायल अवस्था में गिरने के बाद बदमाश वाहन समेत हैदरपुर की ओर फरार हो गए। घायल को पहले नौपेड़वा सीएचसी ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल मौके पर पहुंचे और उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। देर रात एएसपी और सीओ सदर सहित कई थानों की फोर्स ने मौके का निरीक्षण किया।

# गौरवपूर्ण रहा कायस्थ समाज का इतिहास : अंजनी

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** नगर के राजा श्री कृष्ण दत्त इण्टर कालेज के सभागार में रविवार को कायस्थ समाज की बैठक हुई । समाज की एकजुटता, उत्थान और सामाजिक जिम्मेदारियों पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुये वर्तमान में संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राज कालेज के प्रवक्ता अंजनी श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज का इतिहास अत्यन्त गौरवपूर्ण रहा है। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, जय प्रकाश नारायण, खुदी राम बोस, डा. राजेन्द्र प्रसाद जैसे महान व्यक्तित्व समाज के आदर्श रहे हैं। कायस्थ समाज परम्परागत रूप से जातिवाद से दूर रहा है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में अपने समाज के कमजोर और अभावग्रस्त वर्गों को सशक्त करने के

लिये संगठित प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने जरूरतमन्द लोगों की सहायता कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने को समाज का प्रमुख उद्देश्य बताया।इसके पहले बैठक की शुरुआत अतिथियों द्वारा भगवान चित्रगुप्त एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। डा. रजनीश श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज के उत्थान के लिये कायस्थ वेलफेयर ट्रस्ट के गठन का प्रस्ताव रखते हुये कहा कि इसमें चिकित्सक, पत्रकार, अधिवक्ता, शिक्षक सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल होकर जरूरतमन्दों की सहायता कर सकते हैं। डा. अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि यदि समाज एकजुट नहीं हुआ तो पिछड़ने का खतरा बढ़ जायेगा। साथ ही समाज में आयी गिरावट को आपसी एकता से दूर करने का आह्वान किया। डा. नवीन चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि समाज के लोगों को अहंकार त्याग करके एक मंच पर आना होगा तभी वास्तविक प्रगति संभव है। आयोजक अंजनी श्रीवास्तव ने दयाशंकर निगम, श्याम रतन श्रीवास्तव, आनन्द शंकर श्रीवास्तव सहित अन्य अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। संचालन संजय अस्थाना ने किया।

### दुष्कर्म के आरोपी की फांसी पर लटकी थी लाश

**जौनपुर।** शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला वाजिदपुर उत्तरी में दुष्कर्म के आरोपी की फांसी पर लटकी हुई लाश दिखाई देने से क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के अमरा गांव निवासी 22 वर्षीय विजय कुमार यादव पुत्र रामसूरत यादव और उसी गांव के राहुल यादव दोनों के खिलाफ गांव की एक किशोर से दुष्कर्म का मामला थाने पर दर्ज लगभग 10 दिन पूर्व दर्ज कराया गया था। एफआईआर दर्ज होने बाद दोनों वहां से फरार हो गए। दोनों को पुलिस तलाश कर रही थी। दोनों वहां से फरार होने के बाद गांव के ही संजय यादव ने अपने भाइयों के साथ एक मकान वाजिदपुर उत्तरी में बनाया था जहां यह दोनों शरण लिए हुए थे। दोनों में से एक विजय कुमार यादव ने शनिवार देर रात में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

# सेवा भारती के पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** सेवा भारती के जिला अध्यक्ष पद पर डॉ. आर बी चैहान ,महामंत्री डॉ. विभव सिन्हा, डॉ. रंजीत यादव कोषाध्यक्ष को नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित गणमान्य लोगों ने मीरपुर तिराहे स्थित कमला हॉस्पिटल पहुंचकर उन्हें अंगवस्त्र व बुके भेंट कर बधाई दी।बधाई देने वालों लोगों ने डॉ. चैहान को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और मजबूत करने की आशा जताई। इस दौरान सेवा भारती के जिलाध्यक्ष डॉ. आर बी चैहान ने कहा कि संगठन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी का सम्मान करते हुए सेवा भारती के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के

लिए लगातार कार्य किया जाएगा।इस मौके पर कई सामाजिक संस्था व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे और उन्होंने डॉ. चैहान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं भी दीं। बधाई देने वाले में आस्था हास्पिटल के डायरेक्टर डाक्टर राजेश चैहान , अध्यापक एवं समाजसेवी प्रेम चंद चैहान , प्रधान बाबा चैहान , प्रधान पद प्रत्याशी डॉ. राम धनी चैहान , समाजसेवी जसवन्त चैहान , समाजसेवी उपेंद्र सिंह ,बरसठी मंडल अध्यक्ष रणजीत चैहान , अमर सिंह चैहान , डा0 विभव सिन्हा , कमला हास्पिटल मैनेजर संजय कुमार सिंह , व्यापार मंडल अध्यक्ष शिरीष कुमार गुप्ता , समाजसेवी विजय गुप्ता , समाजसेवी रवि गुप्ता,समाजसेवी जितेंद्र निगम , डॉ अमृतलाल मौर्या, डॉ0 रंजित यादव, डॉ राज कुमार गौतम , प्रबन्धक रमेश सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

### नहाते समय नदी में डूबने से युवक की मौत

**जौनपुर।** बक्शा थाना क्षेत्र के गढ़ासैनी गांव में रविवार दोपहर नदी में नहाते समय एक युवक के गहरे पानी में चले जाने से डूब कर मौत हो गई। जिसके चलते परिजनों समेत ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है।बताते है कि उक्त गांव निवासी 22 वर्षीय अंगद सरोज पुत्र रामलाल सरोज गांव से कुछ दूर नदी में नहाने के लिए गया था।इसी दौरान असावधानी वश गहरे पानी में चला गया और कुछ देर तक ना दिखाई देने के कारण उसके आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए पानी में उसकी तलाश शुरू की। हालांकि जब तक उसको स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला उसकी मौत हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह सहयोगी पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही करने में जुट गए ।

# अस्थियों को खा रहे कुत्ते : गाजियाबाद के हिंडन श्मशान घाट का वीडियो आया सामने, नगर आयुक्त से लगाई गई गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

**साहिबाबाद।** उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद स्थित हिंडन नदी के श्मशान घाट का एक वीडियो पिछले चार दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आवारा कुत्ते चिताओं की अस्थियों और अवशेषों को खाते हुए दिख रहे हैं। अमर उजाला इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, लेकिन घटना से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

यह घटना मृतकों के प्रति असम्मान की स्थिति पैदा कर रही है। अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिजनों की भावनाओं को भी गहरी ठेस पहुंच रही है। स्थानीय निवासी सुनील वैद ने इस संबंध में नगर आयुक्त को पत्र लिखा है। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। वैद ने श्मशान घाट के चारों ओर मजबूत घेराबंदी या दीवार बनाने का सुझाव दिया है। इससे आवारा पशु अंदर नहीं आ सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। परिसर में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी आवश्यक बताई गई है। नियमित साफ-सफाई और अवशेषों के उचित निपटान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

### आवारा पशुओं पर नियंत्रण

क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करना जरूरी है। इसके लिए नसबंदी अभियान चलाने की मांग उठाई गई है। साथ ही, इन पशुओं के लिए शेल्टर होम की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया गया है। यह कदम श्मशान घाट की पवित्रता बनाए रखने में सहायक होगा। इन उपायों से स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी।

### धार्मिक भावनाओं का सम्मान

इस घटना से मृतकों के परिजनों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। श्मशान घाट एक पवित्र स्थान होता है। यहां अंतिम संस्कार के बाद अवशेषों का सम्मानपूर्वक निपटान होना चाहिए। इन उपायों से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। प्रशासन को इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

### जिला स्तरीय बैठक में महिला कल्याण विभाग की योजनाओं की गई समीक्षा

**कुशीनगर।** महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा हेतु उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अन्तर्गत जिला स्टेयरिंग कमेटी की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कुल 07 मामलों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा धारा 304बी के अंतर्गत 02 मामलों में क्षतिपूर्ति प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। जबकि पॉक्सो एक्ट से संबंधित 05 मामलों को अस्वीकृत कर दिया गया। इसके अतिरिक्त 09 मामलों में एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त न होने के कारण संबंधित अधिकारियों को शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। समिति ने यह भी निर्देशित किया कि पॉक्सो एक्ट के मामलों में पीड़िताओं को मेडिकल जांच में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि उनकी वास्तविक स्थिति के आधार पर आर्थिक सहायता सुनिश्चित की जा सके।

### प्रेम विवाह को लेकर परिजनों ने सड़क जाम किया

**जौनपुर।** नेवढ़िया थाना क्षेत्र में प्रेम विवाह को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। रविवार को जयसिंहपुर बाजार स्थित जमालापुर बधवा मार्ग को जाम कर लोगों ने अपना विरोध जताया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। क्षेत्र के एक युवक और युवती के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। हाल ही में दोनों ने मंदिर में विवाह कर लिया, जिसके बाद दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ गया। मामला थाने तक भी पहुंचा, लेकिन आपसी सहमति नहीं बन सकी।विवाद बढ़ने के बाद लड़की पक्ष के लोग सड़क पर उतर आए और बांस-बल्लियों व तख्तों की मदद से मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास शुरू किया।

# 'निवेश मित्र पोर्टल' की समीक्षा

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जनपद में संचालित विभिन्न औद्योगिक एवं स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति की जानकारी दी गई। साथ ही लाभार्थियों को ऋण वितरण एवं स्वीकृति की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत अधिक से अधिक ऋण वितरित किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से आच्छादित किए जा सके। बैठक में 'निवेश मित्र पोर्टल' के माध्यम से उद्यमियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि जनपद के उद्यमियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि शेष लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

उद्योग क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं जैसे विद्युत आपूर्ति, सड़क निर्माण, जल निकासी, हाईमास्ट लाइट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संबंधित विभागों द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकांश कार्य प्रगति पर हैं तथा शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़या, संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# फैटी लिवर के शिकार लोगों के लिए अच्छी खबर, रिसर्च में पता चला इसे ठीक करने का आसान तरीका

फैटी लिवर की बीमारी दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है, ये उन लोगों को भी अपना शिकार बना रही है जो शराब नहीं पीते हैं। एक नई स्टडी से विशेषज्ञों की टीम ने एक आम न्यूट्रिशन को फैटी लिवर बीमारी में काफी असरदार पाया है। आइए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने शरीर के जिन अंगों को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है, लिवर उनमें से एक है। लिवर हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी अंगों में से एक है जो 500 से ज्यादा काम करता है। लिवर शरीर का मुख्य डिटॉक्सिफायर होने के साथ मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाने में मदद करता है, ऐसे में अगर इस अंग में कोई समस्या हो जाए तो पूरे शरीर पर इसका बुरा असर हो सकता है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है दुनियाभर में फैटी लिवर यानी लिवर में फैट बढ़ने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को इसका शिकार पाया जा रहा है। लिवर को वैसे तो सबसे ज्यादा नुकसान शराब की वजह से होता है, पर फैटी लिवर का खतरा उन लोगों में भी काफी ज्यादा देखा जा रहा है जो शराब नहीं पीते हैं। इसे नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) कहा जाता है।

भारत में हर 10 में से लगभग 3-4 लोगों को एनएएफएलडी हो सकता है। अगर आपको भी किसी भी तरह का फैटी लिवर है तो आपके लिए अच्छी खबर है, विशेषज्ञों ने इससे निजात पाने का एक असरदार तरीका ढूंढ लिया है।

### फैटी लिवर रोग में 'माइक्रोआरएनए-93' का रोल

दुनियभार में तेजी से बढ़ती फैटी लिवर की समस्या से कैसे निजात पाया जा सकता है, इसे समझने के लिए दक्षिण कोरिया के उल्सान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि 'माइक्रोआरएनए-93' नाम का एक छोटा सा मॉलिक्यूल इस बीमारी में एक अहम भूमिका निभाता है।

माइक्रोआरएनए बहुत छोटे मॉलिक्यूल होते हैं जो यह नियंत्रित करते हैं कि जीन कैसे काम करते हैं?

फैटी लिवर की बीमारी से पीड़ित लोगों में Mir-93 का स्तर काफी ज्यादा पाया जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस समस्या के शिकार लोगों के लिए एक आम न्यूट्रिशन- विटामिन बी3 काफी फायदेमंद हो सकता है।

(जिस बीमारी के कारण पूर्व क्रिकेटर को हुआ था कोमा, अब कई देशों में तेजी से बढ़ रहे हैं इसके मामले)

### विटामिन बी-3 से फैटी लिवर में मिल सकता है आराम

फैटी लिवर की समस्या को कम करने के लिए वैज्ञानिकों ने जीन-एडिटिंग तकनीकों का इस्तेमाल करके चूहों में miR-93 का लेवल कम किया। नतीजे काफी अच्छे रहे, समय के साथचूहों के लिवर में फैट कम होता गया, इंसुलिन सेंसिटिविटी बेहतर हुई और लिवर की सेहत में सुधार आया। दूसरी ओर, miR-93 का लेवल ज्यादा होने पर स्थिति और भी खराब हो गई।

सबसे रोमांचक खोज तब सामने आई जब शोधकर्ताओं ने पहले से मौजूद 150 दवाओं का परीक्षण किया।

उन्होंने पाया कि miR-93 का लेवल कम करने में विटामिन B3 (नियासिन) सबसे ज्यादा असरदार था।

जिन चूहों को विटामिन बी-3 वाली चीजें या सप्लीमेंट्स दिए गए उनमें नियासिन ने SIRT1 की गतिविधि को फिर से बेहतर किया और लिवर में फैट के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाया। चूंकि विटामिन B3 का इस्तेमाल पहले से ही बड़े पैमाने पर होता है और इसे सुरक्षित माना जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि फैटी लिवर वालों में विटामिन बी-3 वाली डाइट या जरूरत होने पर सप्लीमेंट्स देना इलाज का एक नया और किफायती विकल्प हो सकता है। हालांकि, फैटी लिवर की बीमारी के इलाज में इसकी प्रभाविकता को साबित करने के लिए अभी और अधिक अध्ययन की जरूरत है।

खुद से विटामिन बी-3 सप्लीमेंट्स नहीं लेने चाहिए। प्राकृतिक स्रोतों से ही इस विटामिन की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

### अध्ययन में क्या पता चला?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दुनिया की करीब 30% आबादी लिवर की इस समस्या का शिकार है। मेटाबॉलिज्म जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने बताया कि आहार में अगर विटामिन-बी3 वाली चीजों का मात्रा बढ़ा ली जाए तो इस समस्या से काफी आराम पाया जा सकता है।

अध्ययन में पाया गया है कि miR-93 मुख्यरूप से SIRT1 नाम के एक फायदेमंद जीन को रोककर लिवर की सेहत के लिए दिक्कतें बढ़ाता है।

लिवर फैट को कैसे प्रोसेस करता है, इसमें SIRT1 जीन की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है।

जब SIRT1 सही से काम नहीं कर पाता है, तो लिवर में फैट जमा होने लगता है। इससे सूजन, घाव और लिवर के काम करने की क्षमता में कमी आ जाती है।

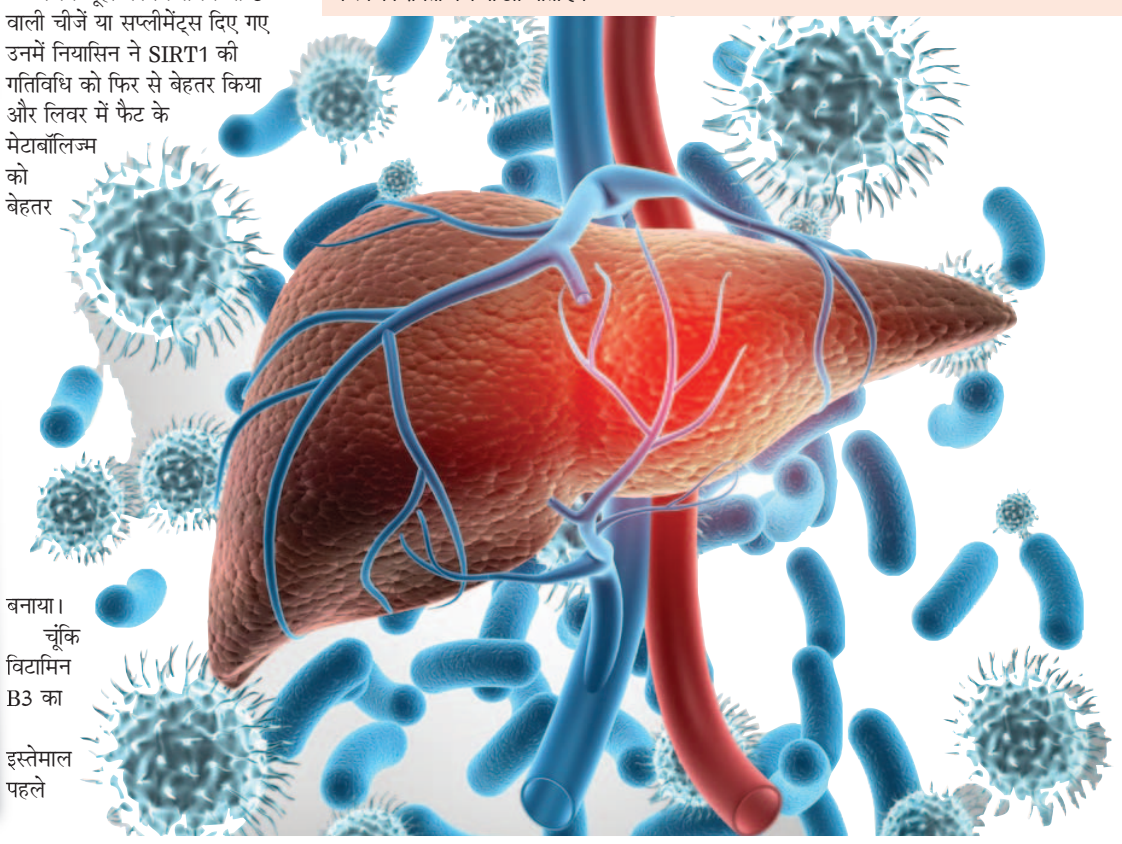

# आम से बनाए जा सकते हैं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, एक बार जरूर आजमाएं

गर्मियों का मौसम न केवल आम के लिए बल्कि कई फलों के लिए भी उपयुक्त माना जाता है। इनमें से आम सबसे लोकप्रिय फल है। आम से कई तरह के व्यंजन बनाए जा सकते हैं, जो आपके खाने का स्वाद बढ़ा सकते हैं। आइए आज हम आपको आम से बनाए जाने वाले कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप सालभर स्टोर करके रख सकते हैं और जब मन करे खा सकते हैं।

## आम की लौंजी

लौंजी एक पारंपरिक बंगाली व्यंजन है, जिसे आम से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले आम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें, फिर एक कढ़ाई में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें सरसों के बीज, मेथी के बीज और सूखी लाल मिर्च डालें। अब इसमें कटे हुए आम के टुकड़े डालकर धीमी आंच पर पकाएं जब तक कि वह नरम न हो जाएं। अंत में इसमें गुड़, नमक और हल्दी पाउडर मिलाकर इसे गर्मागर्म परोसें।

## आम का अचार

अगर आप अचार के शौकीन हैं तो आप आम से भी अचार बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कच्चे आम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, फिर उसमें सरसों का तेल, सरसों के बीज, मेथी के बीज, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण को धूप में कुछ दिनों तक रखें ताकि मसाले अच्छे से मिल जाएं। आपका आम का अचार तैयार है, जिसे आप लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं।

## आम का खीर

खीर दक्षिण भारत की एक प्रसिद्ध मिठाई है, जिसे आप आम से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चावल को पानी में भिगोकर उसे पीस लें, फिर दूध उबालें और उसमें पीसे हुए चावल डालें। अब इसमें चीनी, इलायची पाउडर और कटे हुए सूखे मेवे मिलाएं। अंत में इसमें पके हुए आम का गूदा मिलाएं और इसे कुछ देर पकने दें ताकि सभी सामग्री अच्छे से मिल जाएं। आपकी आम की खीर तैयार है।

## आम की चटनी

चटनी किसी भी भोजन का स्वाद बढ़ाने में मदद करती है, ऐसे में आम की चटनी क्यों नहीं बनाई जा सकती? इसके लिए सबसे पहले आम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, फिर एक पैन में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें जीरा भूनें। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और भूनें। इसके बाद इसमें कटे हुए आम के टुकड़े डालें और नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। अंत में इसमें गुड़ मिलाकर इसे ठंडा करें।

## आम की कुल्फी

गर्मियों में ठंडक पाने के लिए कुल्फी सबसे अच्छा विकल्प है। इसके लिए सबसे पहले दूध उबालें और उसमें चीनी मिलाएं। अब इसमें आम का गूदा मिलाएं और इसे ठंडा होने दें। जब मिश्रण ठंडा हो जाए तो उसे कुल्फी मोल्ड्स में भरें और फ्रीजर में जमने दें। आपकी आम की कुल्फी तैयार हो जाएगी। इन सभी व्यंजनों को बनाना आसान है और ये सभी स्वादिष्ट भी हैं।

# प्रोटीन पाउडर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा ज्यादा फायदा

प्रोटीन पाउडर का सेवन मांसपेशियों के विकास और समग्र सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, बाजार में कई तरह के प्रोटीन पाउडर उपलब्ध हैं, जिनमें से किसी एक को चुनना मुश्किल हो सकता है। इसलिए आज हम आपको प्रोटीन पाउडर खरीदते समय ध्यान रखने वाली बातें बताने जा रहे हैं ताकि आपको सही प्रोटीन पाउडर मिल सके और आपको इसका अधिकतम लाभ मिल सके। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

### प्रोटीन का स्रेत देखें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय सबसे पहले उसके स्रोत पर ध्यान दें। यह दूध, सोया, मटर या चावल से बनाया जा सकता है। दूध से प्राप्त प्रोटीन पाउडर मांसपेशियों के विकास में मदद कर सकते हैं। सोया प्रोटीन पाउडर शाकाहारी लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। मटर और चावल प्रोटीन पाउडर भी शाकाहारी होते हैं, लेकिन यह दूध से बने प्रोटीन की तरह असरदार नहीं होते।

### शुद्धता का ध्यान रखें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय उसकी शुद्धता पर ध्यान देना जरूरी है। कुछ प्रोटीन पाउडर में मिलावटी तत्व हो सकते हैं, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाले ब्रांड का चयन करें, जो शुद्ध और प्राकृतिक सामग्री से बना हो। इसके अलावा प्रोटीन पाउडर में किसी भी प्रकार के अप्राकृतिक स्वाद, रंग या अन्य चीजें नहीं होने चाहिए। इससे आप एक सुरक्षित और असरदार प्रोटीन पाउडर का चयन कर सकते हैं।

### ब्रांड की विश्वसनीयता जांचें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय ब्रांड की विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान दें। अच्छे ब्रांड अपने उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसलिए हमेशा एक प्रसिद्ध और भरोसेमंद ब्रांड का चयन करें, जो अपने ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करता हो। इसके अलावा ब्रांड के बारे में ऑनलाइन रिव्यू पढ़ें ताकि आपको उसके उत्पादों की सही जानकारी मिल सके और आप एक बेहतर चयन कर सकें।

### डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लें

अगर आप पहली बार प्रोटीन पाउडर खरीद रहे हैं या किसी खास स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित हैं तो डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होता है। वे आपकी जरूरतों और स्वास्थ्य स्थितियों के अनुसार सही प्रकार और मात्रा में प्रोटीन पाउडर चुनने में मदद कर सकते हैं। इस तरह आप न केवल सही प्रोटीन पाउडर चुन पाएंगे बल्कि अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकेंगे।

# रेस्टोरेंट में बिल जमा करने से पहले चेक कर लें ये चीज, ऐसे कम करा सकते हैं बिल की रकम

अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि रेस्टोरेंट में जो बिल आता है उसमें टैक्स के साथ सर्विस चार्ज भी रहता है। ये सर्विस चार्ज आमतौर पर 5-10% का होता है। अब आइए इस लेख में इसके बारे में जानते हैं कि क्या बिल में सर्विस चार्ज का पेमेंट करने के क्या नियम हैं।

वीकेंड पर परिवार या दोस्तों के साथ बाहर डिनर खाना किसे नहीं पसंद होता। मगर कई बार डिनर के बाद जब बिल हाथ में आता है, तो खाने की कीमत से कहीं ज्यादा अन्य टैक्स देखकर मूड खराब हो जाता है। अक्सर ये देखने को मिलता है कि बिल में टैक्स के अलावा भी रेस्टोरेंट वाले 'सर्विस चार्ज' जोड़ देते हैं, जिसे लोग मजबूरी में चुका देते हैं।

मगर क्या आप जानते हैं कि बिल में दर्ज हुआ 'सर्विस चार्ज' का पेमेंट करना आपकी इच्छा पर निर्भर करता है? ये जानकारी बहुत कम लोगों को मालूम है कि रेस्टोरेंट के बिल में जो सर्विस चार्ज होता है वो आप देने के लिए बाध्य नहीं होते हैं। उपभोक्ता संरक्षण नियमों के तहत, कोई भी रेस्टोरेंट आपसे जबरदस्ती सर्विस चार्ज नहीं वसूल सकता।

यह एक वैकल्पिक चार्ज होता है, जो सिर्फ तभी दिया जाना चाहिए जब आप उनकी सेवा से पूरी तरह संतुष्ट हों। बिल पेमेंट करने से पहले 'सर्विस चार्ज' और 'सर्विस टैक्स' के बीच का अंतर समझना आपके लिए बेहद जरूरी है ताकि आप अपनी मेहनत की कमाई बचा सकें।

### सर्विस चार्ज और जीएसटी में क्या है अंतर?

अक्सर लोग भ्रमित हो जाते हैं कि सर्विस चार्ज सरकार को जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है।

जीएसटी एक सरकारी टैक्स है जो अनिवार्य है, जबकि सर्विस चार्ज रेस्टोरेंट द्वारा अपनी सेवा के बदले वसूला जाता है।

अगर बिल में 5% से 10% सर्विस चार्ज जोड़ा गया है, तो आप उसे हटाने के लिए कह सकते हैं।

### बिल से सर्विस चार्ज कैसे कम करवाएं?

अगर बिल में सर्विस चार्ज लगा है और आप सेवा से खुश नहीं हैं, तो तुरंत मैनेजर से उसे हटाने का अनुरोध करें।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, ग्राहकों को इसे देने के लिए मजबूर करना 'अनुचित व्यापार व्यवहार' माना जाता है।

विनम्रता से कहें कि आप सिर्फ खाने की कीमत और जीएसटी का भुगतान करेंगे। ज्यादातर रेस्टोरेंट कहने पर इसे तुरंत हटा देते हैं।

### शिकायत करने का क्या है सही तरीका?

अगर रेस्टोरेंट मैनेजर मना करने के बावजूद सर्विस चार्ज हटाने को तैयार नहीं है, तो आप नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर 1915 पर कॉल कर सकते हैं।

इसके अलावा, आप 'ई-दाखिल' पोर्टल के जरिए ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं।

आज के समय में डिजिटल गवर्नेंस के कारण इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई होती है और रेस्टोरेंट पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

### जागरूक ग्राहक ही सुरक्षित ग्राहक है

बाहर खाना खाते समय अपनी जेब का ख्याल रखना आपकी जिम्मेदारी है। अगली बार जब आप किसी शानदार रेस्टोरेंट में जाएं, तो भुगतान करने से पहले बिल को ध्यान से पढ़ें।

ध्यान रखें अच्छी सेवा के लिए अपनी मर्जी से 'टिप' देना एक अच्छी बात है, लेकिन जबरन वसूला जाने वाला 'सर्विस चार्ज' गैर-कानूनी है।

ऐसे आप सर्विस चार्ज हटवाकर अपने बिल की रकम को कम करवा सकते हैं।

# आईफोन का तगड़ा फीचर, कोई अनलॉक फोन छीनकर भागे तो बस मुंह से बोलें यह एक शब्द, तुरंत हो जाएगा लॉक

अक्सर ऐसा होता है कि आप अपने आईफोन पर किसी से कोई जरूरी या प्राइवेट चैट कर रहे होते हैं और अचानक आपका कोई दोस्त या भाई-बहन मस्ती में आपका अनलॉक फोन छीनकर भाग जाता है। ऐसे में सबसे बड़ा डर यही सताता है कि कहीं वह आपकी पर्सनल चैट न पढ़ ले या गैलरी न खोल ले। अगर आप भी कभी इस तरह की मुसीबत में फंसे हैं, तो आईफोन का एक ऐसा छिपा हुआ फीचर है जो आपको इस शर्मिंदगी से पल भर में बचा सकता है। इस शानदार फीचर की मदद से अगर कोई आपका फोन छीनता है, तो आपको उसे हाथ लगाने की जरूरत नहीं है, बल्कि सिर्फ मुंह से एक शब्द बोलते ही आपका फोन तुरंत लॉक हो जाएगा।

### कैसे काम करता है एप्पल का यह जादुई 'वोकल शॉर्टकट' फीचर

आईफोन में यूजर्स की सुविधा के लिए 'वोकल शॉर्टकट्स' नाम का एक बेहद कमाल का फीचर दिया गया है। यह खास फीचर फोन की एक्सेसिबिलिटी सेटिंग के अंदर छिपा होता है। इस फीचर का मुख्य काम यह है कि आप अपने फोन के कई जरूरी कामों को बिना स्क्रीन छुए, सिर्फ अपनी आवाज से कंट्रोल कर सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि फोन को हाथ लगाए बिना ही आपके बोलने मात्र से डिवाइस तुरंत लॉक हो जाए, तो आपको अपने आईफोन में बस एक वोकल शॉर्टकट सेट करना होगा। इसके बाद आपकी आवाज ही आपके फोन का ताला बन जाएगी और आपकी प्राइवेसी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

### फोन में इस सेटिंग को चालू करने का यह है सबसे आसान तरीका

इस शानदार फीचर को एक्टिवेट करने के लिए सबसे पहले आपको अपने आईफोन की सेटिंग्स में जाना होगा। इसके बाद एक्सेसिबिलिटी के सेक्शन में जाकर नीचे की तरफ स्क्रॉल करें। यहां आपको स्पीच सेक्शन के तहत वोकल शॉर्टकट्स का विकल्प मिलेगा, जिस पर क्लिक करके आपको इसका टॉगल ऑन कर देना है। इसके बाद नीचे दिख रहे 'ऐड एक्शन' पर क्लिक करके 'कंटिन्यू' दबाएं और सर्च बार में जाकर 'लॉक स्क्रीन' सर्च करें। ऐसा करते ही आपको एक शब्द या फ्रेज लिखना होगा, जिसे बोलकर आप स्क्रीन लॉक करना चाहते हैं। उदाहरण के तौर पर आप वहां 'लॉक' लिख सकते हैं। अब आपको वही शब्द तीन बार बोलकर फोन को सुनाना होगा। यह पूरी प्रक्रिया होने के बाद 'कंटिन्यू' पर क्लिक कर दें। अब आगे से जब भी कोई आपका फोन छीनेगा, तो आपको बस 'लॉक' बोलना है और आपका आईफोन पलक झपकते ही लॉक हो जाएगा।

# 2 साल तक युद्ध लड़ने की क्षमता, पाताल में ईरान की असली ताकत, अमेरिका-इजराइल के लिए कम नहीं मुश्किलें

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान की मिसाइल ताकत को लेकर सामने आ रही नई जानकारियों ने अमेरिका की चिंता को बढ़ा दिया है। कई मीडिया रिपोर्टस में ईरान ने दावा करते हुए मिसाइल बेस के कई वीडियो और विजुअल्स जारी किए हैं। जिसमें ऐसे अंडरग्राउंड मिसाइल बेस दिखाई दे रहे हैं, जो जमीन की गहराइयों और पहाड़ों के भीतर बनाए गए हैं। अमेरिका और इजरायल की एजेंसियों के लिए इनका पता लगाना मुश्किल हो रहा है। वो हमले तो कर रहे हैं लेकिन ईरानी मिसाइल के ठिकानों को उतनी रफ्तार से ध्वस्त नहीं कर पा रहे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक ईरान के कुल मिसाइल भंडार का केवल लगभग एक-तिहाई

हिस्सा ही नष्ट किया जा सका है, जबकि बड़ी संख्या में हथियार अब भी सुरक्षित ठिकानों पर मौजूद हैं। ऐसे में ईरान की मिसाइल सिटी और अंडरग्राउंड नेटवर्क ने यह साफ कर दिया है कि यह संघर्ष केवल खुले मैदान की लड़ाई नहीं, बल्कि तकनीक, रणनीति और छुपाव की जंग भी है। इन हालातों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने रणनीतिक चुनौती और गहरी होती दिख रही है। एक तरफ ईरान की छिपी सैन्य क्षमता, तो दूसरी ओर वैश्विक दबाव दोनों मिलकर अमेरिकी नीति को कठिन मोड़ पर ले आए हैं।

### 70% मिसाइल अब भी इस्तेमाल नहीं- ईरान का दावा

ईरान के सांसद मालेक शारियाती का दावा है कि तीन हफ्तों की जंग के बावजूद देश ने अब तक अपने करीब 70 प्रतिशत मिसाइल भंडार का इस्तेमाल ही नहीं किया है। वहीं, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह के अनुसार, ईरान के पास इतने मिसाइल बेस और हथियार हैं कि अगर हर हफ्ते उनका खुलासा किया जाए, तो भी दो साल तक यह सिलसिला जारी रह सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान ने संभावित हमलों को ध्यान में रखते हुए अपने मिसाइल सिस्टम को अलग-अलग गुप्त ठिकानों पर फैला रखा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल को उन ठिकानों का पता लगाने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। इसके बाद भी ठिकानों का पता नहीं चल रहा है।

### ईरान के हाईटेक 4 बेस

यज्द अंडरग्राउंड कॉम्प्लेक्सः लगभग 500 मीटर गहराई में बना हाईटेक बेस, जहां से हाइपरसोनिक मिसाइल लॉन्च की क्षमता बताई जा रही है। ये AI-कनेक्टेड सिस्टम से लैस है।

केश्म द्वीप बेसः फारस की खाड़ी में स्थित यह द्वीप अब नौसैनिक मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन का अहम केंद्र बन चुका है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट पर नजर रखी जाती है।

कोनेश कैन्यन साइटः करमानशाह क्षेत्र में सुरंगों का जाल, जहां कयाम-1 और फतह जैसी मिसाइलें तैनात हैं। यहां से इजरायल और खाड़ी देशों पर कम समय में हमला किया जा सकता है।

इमाम जावेद बेसः मोबाइल लॉन्चर सिस्टम के लिए विकसित, जहां मिसाइल से लैस ट्रक सुरंगों के भीतर ही संचालित हो सकते हैं।

### मिसाइल बेस के अलावा भी कई गुप्त ठिकाने

ईरान के पास सिर्फ ये चार मिसाइल बेस नहीं बल्कि ऐसे कई ठिकाने हैं, जहां मिसाइलें रेडी टू फायर मोड में रहती हैं। उसके घातक और सबसे ताकतवर मिसाइलों में फतह, खुर्रमशहर, बद्र, जुल्फिकार और कासिम जैसे नाम शामिल हैं। अभी सिर्फ 33 प्रतिशत मिसाइलें नष्ट या खत्म हुई हैं तो बाकी की 67 प्रतिशत कहां हैं। शायद वो इन अंडरग्राउंड सिटी और पहाड़ियों की अनंत गहराइयों में छिपाकर रखी गई हैं ताकि वक्त आने पर दुश्मन खेमे में कोहराम मचाया जा सके।

### रणनीतिक बढ़त या मनोवैज्ञानिक दबाव?

मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान ने अपनी मिसाइलों को केवल एक जगह केंद्रित रखने के बजाय, कई गुप्त और सुरक्षित नेटवर्क में बांट दिया है, ताकि दुश्मन को भ्रमित किया जा सके। यही वजह है कि लगातार हमलों के बावजूद मिसाइल ठिकानों को तेजी से खत्म करना संभव नहीं हो पा रहा। इजराइल ने इसके लिए ईरान में मौजूद अपने एजेंटों को भी सक्रिय किया है, लेकिन इसके बाद भी ईरान के इन गुप्त ठिकानों का पता नहीं लगाया जा सका है।

# पाकिस्तान में स्मार्ट लॉकडाउन लगाने का फैसला, दो दिन बाजार बंद, नहीं होंगी शादियां

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में बढ़ते तेल संकट को देखते हुए सरकार दो दिन का स्मार्ट लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। लॉकडाउन से जुड़ा प्रस्ताव सामने आया है। इसके मुताबिक, प्रधानमंत्री के निर्देश पर अब हर हफ्ते शनिवार और रविवार को पूरे देश में पूरी तरह लॉकडाउन रहेगा। यह नियम 4 और 5 अप्रैल 2026 से लागू होगा। लॉकडाउन हर शनिवार रात 12:01 बजे से शुरू होगा और रविवार रात 11:59 बजे तक जारी रहेगा। इस दौरान सभी दुकानें, बाजार, फैक्ट्रियां और अन्य कामकाज पूरी तरह बंद रहेंगे। सर्विस सेक्टर भी बंद रहेगा। इन दिनों में शादी या किसी भी तरह के समारोह सार्वजनिक या व्यावसायिक जगहों पर करने की अनुमति नहीं होगी।

जरूरी सेवाएं चालू रहेंगी

पाकिस्तान में अस्पताल, दवा की दुकानें और अन्य जरूरी सरकारी सेवाएं खुली रहेंगी। इसके अलावा एयरपोर्ट, बंदरगाह और रेलवे स्टेशन भी काम करते रहेंगे, ताकि जरूरी यात्रा और सेवाएं प्रभावित न हों। सरकार ने यह भी तय किया है कि लॉकडाउन के दौरान शहरों के बीच जाने वाली सड़कें, हाईवे और मोटरवे बंद रहेंगे और आम गाड़ियों की आवाजाही नहीं होगी। हालांकि, पब्लिक बसों को छूट दी गई है, ताकि लोगों की जरूरी यात्रा जारी रह सके।

इसके साथ ही प्रांतीय सरकारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे दोपहिया और तिपहिया वाहनों का जल्दी रजिस्ट्रेशन करें। इससे सरकार जरूरतमंद लोगों को सीधे सब्सिडी दे सकेगी। सरकार का कहना है कि ये कदम तेल की कमी से निपटने और देश में जरूरी संसाधनों को बचाने के लिए उठाए गए हैं।

# बातचीत की आड़ में ग्राउंड ऑपरेशन की तैयारी कर रहा US? ईरान ने कहा- करेंगे जोरदार हमला

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को 30 दिन पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबफ ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका बाहर से बातचीत की बात करता है, लेकिन अंदर ही अंदर जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। गालिबफ ने कहा कि अमेरिका 15 पॉइंट्स की लिस्ट के जरिए अपनी शर्तें मनवाना चाहता है। जो चीजें वह युद्ध में हासिल नहीं कर पाया, उन्हें अब बातचीत के जरिए हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

गालिबफ ने ये भी कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अमेरिकी सैनिकों के जमीन पर आने का इंतजार कर रही है, ताकि उन पर जोरदार हमला किया जा सके। इस

बीच अमेरिका ने अपनी सैन्य ताकत और बढ़ा दी है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के मुताबिक, उसका युद्धपोत USS त्रिपोली मिडिल ईस्ट में पहुंच गया है। इस जहाज के साथ करीब 3,500 सैनिक और मरीन तैनात हैं। पहले से ही इस इलाके में लगभग 50,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं।

3,500 और सैनिकों के पहुंचने के बाद इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या अमेरिका ईरान में जमीनी ऑपरेशन कर सकता है। हालांकि गालिबफ ने कहा कि ईरान किसी भी हाल में सरेंडर नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान अपमान स्वीकार नहीं करेगा और अपनी स्थिति पर मजबूती से खड़ा रहेगा।

### कौन हैं मोहम्मद गालिबफ?

मोहम्मद बघेर गालिबफ एक अनुभवी नेता हैं और उनका सैन्य बैकग्राउंड है। वह मई 2020 से ईरान की संसद के स्पीकर हैं। उनका जन्म 1961 में हुआ था और 1980 में उन्होंने IRGC (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड) जॉइन किया था। ईरान-इराक युद्ध के दौरान वह कमांडर भी रहे। गालिबफ चार बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन हर बार हार गए। 2005 में चौथे, 2013 में दूसरे स्थान पर रहे, 2017 में चुनाव से हट गए और 2024 में तीसरे स्थान पर रहे। वह एक ट्रेंड पायलट भी हैं और 1997 से 2000 तक IRGC एयर फोर्स के प्रमुख रहे। इसके बाद 2000 से 2005 तक ईरान की पुलिस के मुखिया भी रहे। उन पर तेहरान के मेयर रहते समय करप्शन के आरोप भी लगे। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उन्हें ईरान के अगले नेता के तौर पर भी देखा था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। खुद गालिबफ भी इन अटकलों को खारिज कर चुके हैं।

# किसने की गोडावण पक्षी के संरक्षण की पहल? : जयराम रमेश ने केंद्र के दावे पर उठाए सवाल, एक पत्र बना विवाद की जड़

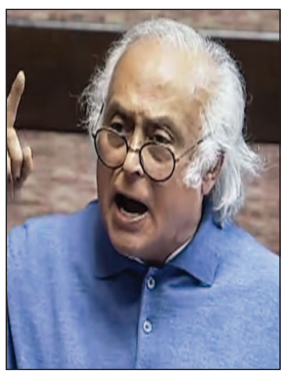

**अहमदाबाद, एजेंसी।** ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण के संरक्षण को लेकर देश में एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर इस योजना का पूरा श्रेय लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस पक्षी को बचाने की पहल पहले ही शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब इसका पूरा क्रेडिट प्रधानमंत्री को दिया जा रहा है।

इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब केंद्रीय मंत्री ने गुजरात में एक दशक बाद गोडावण के चूजे के जन्म की जानकारी दी और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का नतीजा बताया। इसके बाद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि 2010 में उन्होंने खुद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस पक्षी के संरक्षण के लिए कदम उठाने को कहा था।

जयराम रमेश ने बताया कि जब वह पर्यावरण मंत्री थे, तब 9 जून 2010 को उन्होंने गुजरात सरकार को पत्र लिखा था। इस पत्र में कच्छ के घास के मैदानों में गोडावण की घटती संख्या को लेकर चिंता जताई गई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो यह पक्षी गुजरात से पूरी तरह खत्म हो सकता है।

रमेश ने यह भी याद दिलाया कि 1961 में प्रसिद्ध पक्षी वैज्ञानिक सलीम अली ने गोडावण को राष्ट्रीय पक्षी बनाने का सुझाव दिया था क्योंकि यह तेजी से विलुप्त हो रहा था। लेकिन 1963 में भारतीय वन्यजीव बोर्ड ने मोर को राष्ट्रीय पक्षी चुना, जिसके पीछे सांस्कृतिक और धार्मिक कारण बताए गए थे।

### गुजरात में गोडावण की स्थिति कितनी गंभीर है?

पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, गुजरात के कच्छ इलाके में अब सिर्फ तीन मादा गोडावण ही बची हैं। नर पक्षियों के खत्म हो जाने के कारण प्राकृतिक तरीके से अंडा बनने की संभावना लगभग खत्म हो चुकी है। यही वजह है कि अब कृत्रिम संरक्षण और नए प्रयोग किए जा रहे हैं।

### कैसे हुआ 770 किलोमीटर का खास ऑपरेशन?

इस बार राजस्थान से एक अंडे को 770 किलोमीटर दूर गुजरात लाया गया। यह यात्रा बिना रुके करीब 19 घंटे में पूरी की गई। अंडे को एक विशेष पोर्टेबल इनक्यूबेटर में रखा गया और कच्छ में मादा गोडावण के घोंसले में रखा गया। 26 मार्च को इस अंडे से चूजा निकला, जिसे अब उसकी 'फोस्टर मदर' पाल रही है।

# 'बिना सुनवाई के दो साल जेल में रखना सजा जैसा', अदालत ने हत्या की कोशिश के आरोपी को दी जमानत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे की सुनवाई शुरू हुए लंबे समय तक जेल में रखना, सजा देने जैसा है। इसी अहम टिप्पणी के साथ अदालत ने पंजाब के एक आरोपी को जमानत दे दी, जो हत्या की कोशिश के मामले में करीब दो साल से जेल में बंद था। अदालत ने माना कि जब ट्रायल शुरू ही नहीं हुआ और जल्द खत्म होने के भी आसार नहीं हैं, तब आरोपी को लगातार जेल में रखना ठीक नहीं है।

अदालत ने यह फैसला प्रदीप कुमार उर्फ बानू की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि फरवरी 2024 में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। उस पर हत्या की कोशिश समेत कई आरोप लगाए गए। लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक इस मामले में अभियोजन पक्ष 23 गवाहों में से एक भी गवाह को अदालत में पेश नहीं कर पाया है। ऐसे में साफ है कि मुकदमे को पूरा होने में अभी काफी समय लगेगा।

### क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने देरी से चल रहे ट्रायल पर?

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पी। वी। वराले की पीठ ने 13 मार्च के अपने आदेश में कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद लगभग दो साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक मुकदमे की सुनवाई शुरू नहीं हुई है। अदालत ने कहा कि जब किसी व्यक्ति का ट्रायल ही शुरू नहीं हो रहा, तब उसे जेल में बंद रखना न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ जाता है। पीठ ने साफ शब्दों में कहा कि बिना ट्रायल कैद में रखना, सजा देने के बराबर है।

### हाईकोर्ट के पुराने आदेश पर क्या फैसला हुआ?

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 11 जुलाई 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें प्रदीप कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। शीर्ष अदालत ने पूरे मामले को देखते हुए कहा कि अब आरोपी को और ज्यादा समय तक जेल में रखना जरूरी नहीं है। अदालत ने माना कि जब गवाहों की जांच शुरू नहीं हुई और मुकदमा जल्द खत्म होता नहीं दिख रहा, तब जमानत देना उचित है।

### अदालत ने कौन सी शर्तें लगाईं?

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को जमानत तो दे दी, लेकिन इसके साथ कई सख्त शर्तें भी लगाईं। अदालत ने कहा कि आरोपी को ट्रायल कोर्ट की संतुष्टि के मुताबिक जमानत बॉन्ड भरना होगा। साथ ही ट्रायल कोर्ट जो दूसरी शर्तें तय करेगा, उनका भी पालन करना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी सीधे या परोक्ष रूप से किसी गवाह को धमका नहीं सकता, लालच नहीं दे सकता और न ही किसी को अदालत में सच बताने से रोक सकता है।

### अगर आरोपी शर्तें तोड़े तो क्या होगा?

अदालत ने साफ कर दिया कि अगर जमानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन हुआ, तो ट्रायल कोर्ट उसकी जमानत रद्द कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को यह भी निर्देश दिया कि वह मुकदमे की हर सुनवाई में ईमानदारी से उपस्थित रहे, जब तक कि उसे अदालत से छूट न मिली हो। अगर वह बिना उचित कारण के सुनवाई से गायब रहता है, तो इसे भी जमानत की शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा और ट्रायल कोर्ट उसके खिलाफ उचित आदेश पारित कर सकता है।

### क्या जमानत का मतलब आरोपों से राहत है?

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी साफ कर दिया कि जमानत देने का मतलब यह नहीं है कि आरोपी को मामले में क्लीन चिट मिल गई है। अदालत ने कहा कि इस आदेश में की गई टिप्पणियों को मामले के गुण-दोष पर अंतिम राय नहीं माना जाएगा। यानी मुकदमे की सुनवाई आगे भी चलेगी और अदालत सबूतों तथा गवाहों के आधार पर ही अंतिम फैसला करेगी। फिलहाल शीर्ष अदालत ने सिर्फ इतना माना है कि बिना सुनवाई शुरू हुए आरोपी को अनिश्चित समय तक जेल में रखना न्यायसंगत नहीं है।

# 'मियां बीवी राजी तो क्या करेगा काजी', बेटी सोनाक्षी की जहीर इकबाल से शादी पर बोले पिता शत्रुघ्न सिन्हा

## सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के लगभग डेढ़ साल बाद अब पिता शत्रुघ्न सिन्हा ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए शादी से नाराजगी की खबरों पर उन्होंने क्या कुछ कहा...

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अक्सर अपने फनी मोमेंट शेयर करते रहते हैं। दोनों बी-टाउन के चर्चित कपल में से एक हैं। हालांकि, जब सोनाक्षी ने जहीर इकबाल से शादी की थी, तो ऐसी चर्चाएं चली थीं कि इस शादी से सोनाक्षी के पिता अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा खुश नहीं हैं। हालांकि, बाद में शत्रुघ्न सिन्हा सोनाक्षी और दामाद जहीर के साथ भी नजर आए। अब जहीर इकबाल से सोनाक्षी की शादी को लेकर शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने अपनी नाराजगी को लेकर भी बताया।

न्यूज 18 के साथ बातचीत में जब सिन्हा से पूछा गया कि उनके घर का नाम रामायण है और उनकी बेटी ने जहीर इकबाल से शादी की है। क्या अब सब ठीक है? इस पर शत्रुघ्न सिन्हा ने जानकारी देते हुए कहा कि बिल्कुल ठीक है। हम बहुत खुश हैं। सोनाक्षी की जो शादी हुई है, दोनों एक-दूसरे के लिए बने लगते हैं।

जहीर, उनका जो पति है और सोनाक्षी, वे एक-दूसरे के लिए बिल्कुल बने लगते हैं। सबसे बड़ी और सबसे अहम बात ये है, हमने जो कुछ भी किया है, कोई गैर कानूनी काम नहीं किया है। संविधान के खिलाफ नहीं किया है। बच्चे जवान हैं, बच्चे वयस्क हैं। अगर वो खुश हैं, तो मियां-बीवी राजी तो क्या करेगा काजी। हमें उनका साथ देना चाहिए। पूरे दिल से, चट्टान की तरह उनके साथ खड़े रहना चाहिए।

### सोनाक्षी ने घर पर ही की थी रजिस्टर्ड मैरिज

सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 को जहीर इकबाल से शादी की थी। दोनों ने रजिस्टर्ड मैरिज की थी। कपल ने अपने घर पर करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में शादी की। शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा भी शादी में शामिल हुए थे। लेकिन ऐसी खबरें थीं कि अभिनेत्री के भाई उनके खास दिन पर मौजूद नहीं थे। हालांकि, बाद में भाई भी सोनाक्षी और जहीर के साथ नजर आए।

### इन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी सोनाक्षी

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'जटाधरा' में नजर आई थीं। इस फिल्म में सोनाक्षी ने निगेटिव भूमिका निभाई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी।

वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो अब 'सिस्टम' और 'दहाड़ 2' में नजर आएंगी। 'सिस्टम' एक फिल्म है, जिसका निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। जबकि 'दहाड़' सोनाक्षी सिन्हा का एक हिट शो है, अब इसका दूसरा सीजन आएगा।

# राजामौली की वाराणसी का पहला लुक जारी, 2027 की राम नवमी पर होगी रिलीज

भारतीय सिनेमा के मशहूर निर्देशक एस.एस. राजामौली ने अपनी अगली बड़ी फिल्म वाराणसी को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है. राम नवमी के खास मौके पर फिल्म की टीम ने एक छोटा लेकिन बेहद असरदार वीडियो (ग्लिम्स) जारी किया है. इस वीडियो के साथ ही मेकर्स ने यह साफ कर दिया है कि यह फिल्म अगले साल 7 अप्रैल, 2027 को श्री राम नवमी के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

इस फिल्म में सुपरस्टार महेश बाबू मुख्य भूमिका निभा रहे हैं. खबरों के अनुसार, वे रुद्र नाम के एक शिव भक्त का किरदार निभा रहे हैं, लेकिन कहानी में रामायण का गहरा संबंध दिखाया गया है. जारी किए गए वीडियो में महेश बाबू को भगवान श्री राम के रूप में दिखाया गया है, जिसने प्रशंसकों के बीच काफी उत्सुकता जगा दी है. बताया जा रहा है कि फिल्म में 25 मिनट का एक बहुत बड़ा रामायण सीक्वेंस है, जिसे शूट करने में लगभग 60 दिन लगे हैं.

वाराणसी को भारत की अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक माना जा रहा है. इसका बजट 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया जा रहा है. राजामौली इस फिल्म को एक ग्लोबल एडवेंचर के रूप में बना रहे हैं. फिल्म की शूटिंग वाराणसी के पवित्र घाटों से लेकर अंटार्कटिका की बर्फीली वादियों तक की गई है. तकनीकी रूप से भी यह फिल्म बेहद खास है क्योंकि इसे आइमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, ताकि दर्शकों को सिनेमा हॉल में एक अलग ही अनुभव मिले.

महेश बाबू के अलावा इस फिल्म में ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में नजर आएंगी. वहीं, साउथ के मशहूर अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में विलेन (कुंभ) की भूमिका निभा रहे हैं. फिल्म की कहानी में एक्शन और एडवेंचर के साथ-साथ पौराणिक कथाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा.

वीडियो शेयर करते हुए टीम ने लिखा, आप उन्हें अगली राम नवमी तक सिनेमाघरों में देखेंगे. इस मैसेज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. राजामौली की पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्मों जैसे बाहुबली और आरआरआर को देखते हुए, दुनिया भर के सिनेमा प्रेमी वाराणसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com